रांची, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख कृष्ण 15 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 212 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ बीबीएन प्रदूषण की मार झेलने को अभिशप्त
जैकी श्रॉफ नए प्रोजेक्ट से कटा शिल्पा सट्टी का पता ◂◂ 6

हरिवंश तीसरी बार र्निविरोध बने उपसभापति, पीएम मोदी ने दी बधाई

✔ नेता प्रतिपक्ष खरगे ने लोकसभा के खाली पद की याद भी दिलाई

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक घटना दर्ज हुई। पहली बार किसी मनोनीत सांसद को उपसभापति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जिम्मेदारी हरिवंश नारायण सिंह को मिली है, जिन्हें हाल ही में द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरिवंश को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में तीसरी बार चुने जाने पर बधाई दी।

पीएम ने जेपी से लेकर चंद्रशेखर का किया जिक्रः बधाई संदेश में जेपी से लेकर चंद्रशेखर तक का जिक्र पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल जैसे निर्णयों का मुखर विरोध करने वाले बिहार के जननेता के तौर पर लोकप्रिय रहे जयप्रकाश नारायण (जेपी) का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हरिवंश जी का जन्म जेपी के गांव में हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का भी जिक्र किया। बतौर लेखकर हरिवंश के जीवन का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज उनकी जयंती के दिन तीसरे कार्यकाल के निर्विरोध चुना जाना इस अवसर को खास बनाता है।

उपाध्यक्ष के खाली पद को लेकर केंद्र खरगे ने को घेराः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हरिवंश को बधाई देते हुए कहा कि हमें इस बात से तकलीफ है संवैधानिक अनुच्छेद 93 में निहीत संवैधानिक भावना के विपरित लोकसभा में 2019 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। सात वर्षों से वह रिक्त है, कितना अच्छा होता कि राज्यसभा की तरह लोकसभा में भी ऐसी ही हुआ होता। आप प्रजातंत्र की बात करते हैं और सात साल से एक उपाध्यक्ष को चुन नहीं पा रहे हैं तो इसका मतलब क्या है, हर कोई लोकतंत्र की बात करता है।

हरिवंश जी की कार्यशाली का सभी सम्मान करते हैं: मोदी

पीएम ने कहा कि पूरे सदन को आप पर गहरा विश्वास है, हरिवंश जी की कार्यशैली का सभी सम्मान करते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हरिवंश जी के लेखों में धार है और उनका काम सराहनीय है। हरिवंश जी सभी की बातें सुनते हैं और उनका यह नया कार्यकाल समर्पण और संतुलन से आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि जब भी मैं गेट नंबर सात से गुजरता हूं मुझे संविधान सदन में उपाध्यक्ष के बंद कमरे में लटका ताला दिख जाता है, जो मुझे तकलीफ देता है। कभी-कभी मैं वहां बैठे सुरक्षा कर्मी से पूंछता हूं कि यह दरवाजा कब खुलेगा, क्या मुझे खुल जा सिमसिम कहना पड़ेगा, तब खुलेगा। आखिर में उन्होंने हरिवंश को कहा कि अब जब आप उपसभापति बन चु3के हैं तो हम आशा करते हैं कि विपक्ष का विशेष ध्यान रखेंगे।

तालाब में नहाने के दौरान पांच युवतियां डूबी, दो चचेरी बहनों की मौत

गुमला: जिले के बसिया थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां तालाब में नहाने गई पांच युवतियों में दो चचेरी बहन की डूब कर मौत हो गई। जबकि ग्रामीणों के सहयोग से तीन लोगों को बचा लिया गया। मृतकों की पहचान सनीचर टोली निवासी काजल कुमारी 18 वर्षीय व उसकी बहन दीपिका कुमारी उर्फ दीपशिखा 18 वर्षीय के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, बसिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जहां शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया और मामले की छानबीन में जुट गई।

हादसे को लेकर बताया जा रहा है गांव की पांच युवतियां चुटिया नदी में नहाने के लिए गई थी। पहले काजल तालाब में नहाने के लिए कूद गई। थोड़ी देर बाद अचानक वह डूबने लगी, जिसे बचाने के लिए उसकी चचेरी बहन कूद गई। इसके बाद तीन छात्राएं भी पीछे से कूद गई। इसके बाद पांचों लोग गहरे पानी में चले गये। जिसे डूबता देखकर अफरा तफरी मच गया और शोर गोल के बीच ग्रामीणों ने डूबते हुए अन्य तीन व्यक्तियों को पानी में कूद कर बचा लिया। हालांकि तब तक दो चचेरी बहन की मौत हो चुकी थी।

इस घटना के संबंध में गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तालाब में नहाने के दौरान अचानक पांच युवतियां गहरे पानी में चली गयी। जिसमें तीन लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, दों चचेरी बहन की मौत हो गई।

50 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान, दुनिया की सबसे गर्म जगहों की लिस्ट में भारत के 20 शहर

एजेंसी

नई दिल्ली : देश में इस बार गर्मी का विकराल रूप देखने को मिल रहा है। कई इलाकों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और सामान्य से अधिक गर्मी का असर साफ नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस सप्ताह महाराष्ट्र के कई जिलों में लू (हीटवेव) का अलर्ट जारी किया है। विदर्भ क्षेत्र का अकोला लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ दुनिया के सबसे गर्म शहरों में शामिल हो गया है। इसके अलावा अमरावती, वर्धा और नागपुर भी शीर्ष गर्म शहरों की सूची में हैं। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में हीटवेव और अधिक तीव्र हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, 2026 में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। मार्च से मई के बीच हीटवेव की घटनाएं बढ़ सकती हैं और तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। चरम स्थिति में कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। वैश्विक तापमान की बात करें तो चीन के युन्नान प्रांत का जिंगहोंग 37 डिग्री सेल्सियस के साथ सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि ओडिशा के बलांगीर में 36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया

भारत और आसपास के कई शहरों में भी 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान दर्ज किया गया। इनमें महाराष्ट्र का चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ का रायपुर और बिलासपुर, बिहार का सासाराम, उत्तर प्रदेश का मुगलसराय और वाराणसी, तथा तेलंगाना के कई शहर शामिल हैं। इसके अलावा थाईलैंड, वियतनाम और भारत के विभिन्न हिस्सों में भी तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जो बढ़ती गर्मी का संकेत है। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को बड़ा झटका, अग्रिम जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से आज कोई राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने खेड़ा की ट्रांजिट जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग को ठुकराते हुए हाईकोर्ट में पेश किए डॉक्यूमेंट्स की वेरिफिकेशन को लेकर भी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत के लिए असम की संबंधित अदालत या गुवाहाटी हाईकोर्ट का दरवाजा खटाखटाना चाहिए। कोर्ट ने उन्हें आज दोपहर के बाद गुवाहाटी हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल करने का आदेश दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने पवन खेड़ा द्वारा हाईकोर्ट में गलत डॉक्यूमेंट पेश किए जाने पर भी आपत्ति जताते हुए इस व्यवहार को अनुचित बताया।

क्या है मामला?

जानकारी के लिए बता दें कि यह मामला पवन खेड़ा की उन टिप्पणियों और कानूनी शिकायतों से जुड़ा है जिनके चलते उन्हें असम पुलिस द्वारा पूर्व में हिरासत में लिया गया था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार महिलाओं की मौत, 22 से अधिक घायल

एजेंसी

श्योपुर : मध्य प्रदेश के श्योपुर में बड़ा सड़क हादसा हुआ। विजयपुर क्षेत्र में हुए इस हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई और 22 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुःख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए एवं अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, वीरपुर के घुघस गांव से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर लोग पार्वती बड़ौदा गांव में भात देने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान विजयपुर क्षेत्र के पास गैस गोदाम के नजदीक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सरोज पत्नी मगन गुर्जर, सुनेना पत्नी कल्ला गुर्जर, सीमा पत्नी कालू गुर्जर और गीता पत्नी घनश्याम गुर्जर के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। इस घटना को लेकर सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर कहा कि श्योपुर जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के खितरपाल गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से महिलाओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। दुर्घटना में जो घायल हुए हैं, उनको उपचार प्रदान किया जा रहा है। मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए एवं अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इसे लेकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि श्योपुर जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के खितरपाल गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 4 महिलाओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। साथ ही घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर यूएन में भारत की दो टूक

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य

एजेंसी

नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच समुद्री मार्गों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यहां से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहस के दौरान भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पी। ने कहा कि यह समुद्री मार्ग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर सैन्य हमले बेहद चिंताजनक हैं, जो न केवल वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं बल्कि आम नागरिकों की जान को भी खतरे में डालते हैं। भारत ने इस संघर्ष में भारतीय नाविकों की मौत पर गहरा दुख भी व्यक्त किया। हरीश पी। ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद दुखद है और ऐसे हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि नागरिक जहाजों और उनके कर्मचारियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। भारत ने सभी देशों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही को जल्द बहाल करें। साथ ही, भारत ने जोर दिया कि मौजूदा तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। भारत का रुख स्पष्ट है–संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए, और किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई से बचना आवश्यक है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है, ताकि खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे और वैश्विक व्यापार प्रभावित न हो।

महिला आरक्षण कानून लागू, देर रात जारी हुआ नोटिफिकेशन

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने वाला महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 बृहस्पतिवार को लागू कर दिया गया ताकि संसद में चर्चा किए जा रहे प्रस्तावित संशोधन को क्रियान्वित किया जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि इस कानून को लागू करना आवश्यक था, क्योंकि इसके बिना प्रस्तावित संशोधन प्रभावी नहीं हो सकता था। संविधान संशोधन विधेयक कानून तो बन गया था, लेकिन सरकार द्वारा इसे लागू नहीं किए जाने के कारण यह संविधान का हिस्सा नहीं बन पाया था। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई कानून लागू ही नहीं है तो उसके प्रस्तावित संशोधन को कैसे लागू किया जा सकता है।

इसी कारण इसे 16 अप्रैल से प्रभावी किया गया। वर्ष 2023 के इस अधिनियम को संसद में इसी कानून में संशोधन पर चल रही बहस के बीच 16 अप्रैल से अधिसूचित किया गया। एक अन्य अधिकारी ने वीरवार रात "तकनीकी कारणों" का हवाला देते हुए इसे लागू करने की बात कही थी।

हालांकि, उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया था। अधिकारी ने यह भी कहा था कि अधिनियम लागू होने के बावजूद वर्तमान लोकसभा में आरक्षण लागू नहीं किया जा सकता। अधिकारी के अनुसार, महिलाओं के लिए आरक्षण अगली जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू किया जा सकेगा। अधिसूचना में कहा गया है: "संविधान (106 संशोधन) अधिनियम, 2023 की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार 16 अप्रैल, 2026 को वह तिथि नियुक्त करती है, जिस दिन से उक्त अधिनियम के प्रावधान प्रभावी होंगे।"

सितंबर 2023 में संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया था, जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है, जो विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस कानून के तहत, यह आरक्षण 2027 की जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने से पहले लागू नहीं किया जा सकता था, जिसके कारण इसके 2034 से पहले लागू होने की संभावना नहीं थी। वर्तमान में लोकसभा में चर्चा के लिए लाए गए तीन विधेयक - 'संविधान (131सवां संशोधन) विधेयक, 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' सरकार द्वारा इस उद्देश्य से प्रस्तुत किए गए हैं कि महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 में लागू किया जा सके।

सियासी घमासानः किसने क्या कहा?

1. प्रधानमंत्री मोदी की अपील:
पीएम मोदी ने विपक्ष से इसे राजनीति के तराजू में न तौलने का आग्रह किया है। उन्होंने साफ कहा कि देश की नारी शक्ति केवल सरकार के फैसले को ही नहीं, बल्कि विपक्ष की 'नीयत' को भी देख रही है। विकसित भारत के लिए महिलाओं का साथ अनिवार्य है।

2. सरकार का पक्ष (किरेन रिजिजू):
संसदीय कार्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार इस बिल का श्रेय नहीं लेना चाहती। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से लगातार समर्थन मांगा गया है ताकि बिना किसी भ्रम के महिलाओं को उनका अधिकार मिले।

3. प्रियंका गांधी का हमला:
कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जनगणना और परिसीमन की शर्तों के पीछे राजनीति छिपी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि महिलाएं अब बहकाने वाले वादों को समझने लगी हैं, इसलिए सरकार को सीधे तौर पर आरक्षण लागू करना चाहिए। वर्तमान लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या में तुरंत कोई बदलाव नहीं होगा। 2029 के चुनावों में देश की सूरत बदल सकती है, जब लोकसभा की एक-तिहाई सीटें सिर्फ महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी।

पाकिस्तान के खैबरपख्तूनख्वा में गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट, 8 की मौत, कई घायल

एजेंसी

पेशावर : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर जिले में एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में ग्रैंड ट्रंक रोड के पास एक कारखाने के नजदीक हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट इतना तेज था कि तुरंत भीषण आग लग गई, जो तेजी से आसपास के इलाके में फैल गई। आग की चपेट में एक नजदीकी मकान भी आ गया, जिससे नुकसान बढ़ गया और बचाव कार्य मुश्किल हो गया।

पाकिस्तान की आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के अधिकारियों ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की जान गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आग फैलने के दौरान कम से कम चार महिलाओं और छह बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि, कुछ महिलाएं और बच्चे झुलस गए हैं, जिनका इलाज जारी है।

हरिपुर के उपायुक्त वसीम अहमद ने बताया कि अधिकांश मौतें दम घुटने के कारण हुई प्रतीत होती हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

फिलहाल विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज दूर-दराज के इलाकों में भी सुनी गई। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

भीषण गर्मी, तापमान 40 डिग्री के पार आज और कल कई जिलों में लू का अलर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड में गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है और कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

13 जिलों में लू चलने की आशंकाः मौसम विभाग के अनुसार 17 और 18 अप्रैल को राजधानी रांची समेत 13 जिलों में लू चलने की आशंका जताई गई है। रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदगा और पलामू सहित कुछ जिलों में लू चल सकती है। राजधानी में भी तेज धूप और गर्म हवाओं का असर साफ दिखेगा। हालांकि 16 और 17 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आंशिक बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना है, लेकिन रांची सहित अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

मौसम विभाग ने लोगों को किया सतर्कः मौसम विभाग के अनुसार 16 और 17 अप्रैल को देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज

में आंशिक बादल के साथ कहीं-कहीं गर्जन और हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 17 और 18 अप्रैल को रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदगा और पलामू सहित कई जिलों में लू चलने की संभावना है। संथाल परगना के कुछ इलाकों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को तेज धूप और लू से बचने के लिए सतर्क रहने, घर से निकलते समय सावधानी बरतने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है।

न्यूज IN ब्रीफ

जेपीएससी परीक्षा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

चतरा : 19 अप्रैल को जिले में आयोजित होने वाली जेपीएससी परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर उपायुक्त कीर्तिश्री द्वारा गुरुवार को निर्धारित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।इस क्रम में उपायुक्त ने चतरा कॉलेज, चतरा एवं जवाहर नवोदय विद्यालय का भ्रमण कर परीक्षा आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ एवं मानक अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त द्वारा चतरा कॉलेज परिसर में निर्मित लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच करते हुए आवश्यक निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध हो सके।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा चतरा कॉलेज में संचालित विभिन्न कक्षाओं का भी निरीक्षण किया गया एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी संबंधित पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम,जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

घर तक पहुंच कर भी गैस नहीं दे रहा भारत गैस एजेंसी

मुरीः भारत गैस एजेंसी वितरक कोड (431717) की गाड़ी मुहल्ला में पहुँच कर भी गैस नहीं दे रही है। जबकि सरकार का कहना है कि गैस घर तक पहुंचा कर दिया जाए। लोगों को गोदाम जाने को बाध्य किया जाता है। उसमें भी दुविधा वाली बात बोलेगें, जल्दी आइएगा नहीं तो नहीं मिलेगा। दादा गिरी चरम सीमा पर है। प्रशासन इस मामले में कोई संज्ञान नही लेता है। प्रशासन शिकायत आने का इंतजार करता है। भारत गैस के संचालक या स्टाफ घमंड में चूर होकर उपभोक्ताओं से दुर्व्यवहार करते है। ऐसे ही दुर्व्यवहार का शिकार एक बुजुर्ग महिला को भी सहना पड़ा। कई उपभोक्ता इनकी बतमीजी भरी व्यवहार से क्षुब्ध है। इनके कर्मी अवैध कमाई के चक्कर में उपभोक्ताओं को परेशान करते हैं। गैस रहने के बावजूद कई तरह का बहाना करते हैं।

बोकारो में पटरी से उतरे मालगाड़ी के 4 डिब्बे, रेल प्रशासन में हड़कंप

बोकारो : ईस्ट सेंटर रेलवे धनबाद डिवीजन के बोकारो जिला के डुमरी - ललपनिया लिंक रेल लाइन में कोयले से लदा रेल माल गाड़ी के चार डब्बे रेल पटरी से उतर गया।

आधारिक सूत्रों ने बताया कि रेल डब्बे को उठा लिए जाने के बाद माल गाड़ी को निकाल कर रेल लाइन को चालू कर दिया गया। धनबाद के डीआरएम अखलेश मिश्रा ने बताया कि ट्रैन नम्बर एमडीबीएस कोयला से लोड था। इस लोड में दो इंजन 42002 एव 42001 इंजन था। 59 बोगी था। एक बोगी में 53 .63 टन कोयला था। दोनों इंजन में पतरातू के ड्राइवर थे तथा गार्ड भी पतरातू के थे। डुमरी स्टेशन से खुलने के बाद ललपनिया लाइन में पोल संख्या 10 - 12 के बीच इंजन का प्रेशर गिर गया जिससे 7,8,9 चार बोगी पटरी से उतर गए। तत्काल रेल लाइन सामान्य है।

पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर झारखंड की सीमा से सटे इलाकों में अलर्ट

रांची : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड की सीमा से सटे इलाकों में पुलिस अलर्ट मोड पर है। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर जामताड़ा के एसपी राजकुमार मेहता ने जिले के तमाम आला पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर पश्चिम बंगाल से लगे सीमा से सटे सभी इलाकों को सील करने का निर्देश देते हुए चेक नाकों को तीन शिफ्ट में काम करने का निर्देश दिया। पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक में एसपी ने बताया कि जामताड़ा जिले से सटे पश्चिम बंगाल के सभी जिला के पुलिस आला अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर गहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव शांतिपूर्वक और बाधा रहित हो इसको लेकर जामताड़ा के पुलिस पूरी तरह से तैनात है। बंगाल जाने वाली सभी गाड़ियों की जांच की जा रही है।

अनुमंडल पुलिस अधिकारी को मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया है। जिले में कई चेक पोस्ट बनाए गए हैं। जहां तीनों शिफ्ट में पुलिसकर्मी काम करेंगे और आवागमन होने वाले सभी प्रकार के वाहनों का कड़ाई से जांच किया जाएगा।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में नामांकन व उपस्थिति बढ़ाने पर जोर

लापरवाही पर उपायुक्त ने जताई नाराजगी

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की सभी इकाइयों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के वार्डेन-सह-शिक्षिका एवं लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर को आवश्यक निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत छात्राओं का जिला नामांकन समिति द्वारा अनुमोदित सूची के अनुरूप अभिभावकों से संपर्क स्थापित करते हुए एक सप्ताह के भीतर रिक्त सीटों पर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। जिन अभिभावकों से मोबाइल के माध्यम से संपर्क नहीं हो पा रहा है, उनकी सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि अन्य माध्यमों से संपर्क स्थापित कर नामांकन पूर्ण कराया जा सके।बैठक के दौरान प्रखंड गिद्धौर एवं मयूरहण्ड में ई-

विद्यावाहिनी पोर्टल पर छात्र उपस्थिति जिले में न्यूनतम पाए जाने पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी स्तर से मयूरहण्ड के विद्यालयों की समीक्षा कराने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री पोषण योजना (मध्याह्न भोजन) के अंतर्गत चतरा एवं हंटरगंज के ऐसे विद्यालय, जहां ई-एमआईएस/एमडीएम प्रविष्टि नियमित रूप से नहीं की जा रही है, उनकी भी अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा समीक्षा कराने का निर्देश दिया गया।विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने हेतु उप विकास आयुक्त एवं आरबीएसके के साथ समन्वय स्थापित कर बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया, ताकि नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जा सके।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन छात्र-छात्राओं का आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र बन चुका है, उनका बैंक खाता खोलने हेतु संबंधित बैंकों में अनिवार्य रूप से आवेदन कराया जाए।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी विनय कुमार सहित जिले के सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

हाजियों का पहला जत्था मक्का रवाना

मंत्री इरफान अंसारी ने रांची रेलवे स्टेशन से किया रुखसत

संवाददाता

रांची : पवित्र हज यात्रा 2026 के लिए झारखंड से हाजियों के रवाना होने का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को रांची रेलवे स्टेशन लबैक अल्लाह हुमा लबैक के गगनभेदी नारों से गूंज उठा, जब हज यात्रियों का पहला जत्था मक्का-मदीना की पवित्र यात्रा के लिए रवाना हुआ।

यह जत्था कडरू स्थित हज हाउस से निकलकर रांची रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां से सभी यात्री कोलकाता के लिए रवाना हुए। कोलकाता एयरपोर्ट से ये हाजी

सऊदी अरब के लिए उड़ान भरेंगे और खाना काबा के दीदार का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

इस अवसर पर राज्य के मंत्री इरफान अंसारी स्वयं रांची रेलवे स्टेशन पहुंचे और हाजियों को शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। उन्होंने यात्रियों की सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना की।

हाजियों के परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ स्टेशन पर उमड़ी रही। सभी ने भावुक माहौल में हाजियों को विदाई दी और उनके लिए दुआएं कीं।

गौरतलब है कि इस वर्ष झारखंड से 1530 हाजी पवित्र हज यात्रा पर जा रहे हैं, जिनमें यह पहला जत्था शामिल है। प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्यार का खौफनाक अंत, सगाई से पहले प्रेमिका ने की आत्महत्या

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के कोबना गांव से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक प्रेमिका ने प्रेम प्रसंग में प्रताड़ित होकर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। चौंकाने वाली बात यह है कि इसी महीने की 29 तारीख को दोनों की सगाई होने वाली थी। 24 वर्षीय नेहा कुमारी और सोनू तिवारी के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों की सहमति के बाद अक्टूबर में दोनों की शादी तय हुई थी। मृतका के चाचा धर्मेंद्र पांडेय का आरोप है कि प्रेमी सोनू अक्सर शक के आधार पर नेहा को मानसिक रूप से टॉर्चर करता था। प्रताड़ना से तंग आकर नेहा ने घर के कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों के अनुसार, नेहा ने आत्महत्या के दौरान आरोपी को वीडियो कॉल भी किया था, जिसका साक्ष्य उसके लॉक मोबाइल में कैद है। वहीं घटना की सूचना के बाद सदर अस्पताल चतरा पहुंची जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी ने कहा कि यह मामला उनके पंचायत क्षेत्र कोबना का है। दोनों के बीच विवाह तय हुआ था। इस बीच मोबाइल पर बातचीत के दौरान युवती ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संघ के शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन आयोजित

राष्ट्र प्रथम नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे : डॉ सुमन कुमार

संवाददाता

रांची/गुमलाः विराट हिन्दू सम्मेलन गुमला जिले के रायडीह प्रखंड के अन्तर्गत कोंडरा गांव के राम नवमी बगीचा में आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि स्वामी श्री अखंड दास जी महाराज एवं मुख्य वक्ता के तौर पर आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं हिन्दू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर पूर्व एवं पूर्व क्षेत्र डॉ सुमन कुमार आर एस एस के प्रांत संघचालक सच्चिदानंद अग्रवाल , गुमला विभाग के संघचालक साहू प्रकाश लाल विशिष्ट अतिथि, जसपुर के राजा आदित्य जूदेव सिंह, बीरूगढ़ के राजा दुर्ग विजय सिंह, हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री विक्रम शर्मा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी उमाकांत महाराज जी राम रेखा धाम एवं मंच संचालन गुमला जिला कार्यवाह श्री लक्ष्मी ने किया।

कार्यक्रम में पहुंचने के पूर्व मुख्य वक्ता डॉ सुमन कुमार का स्वागत बेड़ों, सिसई,रायडीह में विर व्यक्तरसाय मुंडन सिंह चौक में माल्यार्पण, मँझाटोली, बीरकेरा में स्वागत हुआ एवं मोकरा में वीर तेलंगा खड़िया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की साधना के 100वर्ष पूरे हो गए है। संघ की स्थापना के पीछे का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित कर उसे राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करना था। एक शताब्दी की इस लंबी यात्रा में संघ की विचारधारा और कार्यप्रणाली का एक ही मूल मंत्र रहा है। वह है राष्ट्र प्रथम । यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि संघ के हर स्वयंसेवक के जीवन का अटूट संकल्प है। संघ की विचारधारा के केंद्रीय तत्व राष्ट्र प्रथम ने स्वयंसेवकों ने जाती क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजनों से ऊपर उठकर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया है। जिस समय देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, उसी समय आद्य सरसंघचालक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार ने यह पहचान लिया था कि व्यक्ति निर्माण ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है।

संघ केवल एक संगठन भर नहीं, बल्कि एक विराट जीवन दर्शन है, जिसकी आधारशिला राष्ट्र प्रथम के ध्येय पर टिकी हुई है। सौ वर्ष की यात्रा के बाद संघ सामाजिक व सांस्कृतिक संगठन के रूप में एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। जिसकी जड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकाश और सामाजिक समरसता जैसे अनेक क्षेत्रों में फैल चुकी है। वर्तमान समय में जब देश को वैश्विक चुनौतियों, सांस्कृतिक अतिक्रमण और सामाजिक विभाजन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में संघ की एकात्मवादी सोच और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

संघ की यह शताब्दी यात्रा इस बात का प्रमाण है कि किसी भी संगठन की दीघार्यु और प्रभाव किसी क्षणिक सफलता पर नहीं, बल्कि विचारधारा की शुद्धता और राष्ट्र के प्रति समर्पण पर निर्भर करते है। संघ की साधना का फल यह है कि आज राष्ट्र प्रथम की भावना देश के कोने झकोने में गूंज रही है। संघ ने अपने शताब्दी वर्ष की दहलीज तक पहुंचते पहुंचते यह सिद्ध कर दिया है कि उसके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम हो, देश के विभाजन की पीड़ा हो या आजादी के बाद देश के सामने आई विभिन्न चुनौतियां।

केवल बाहरी रूप के आधार पर संघ का मूल्यांकन करने से गलतफहमियां पैदा होती है। संघ की शाखा, कार्यकर्ता, उनका परिवार, कार्यक्रम,वर्ग, शिविर इनका सूक्ष्म निरीक्षण प्रत्यक्ष रूप से करने पर ही संघ को सही रूप से समझा जा सकता है। संघ का कार्य देश के लिए है। संघ किसी से प्रतिस्पर्धा करने या किसी को प्रतिक्रिया के कारण नहीं चलता। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ सता या प्रसिद्धि की आकांक्षा नहीं रखता। संघ संस्थापक डॉ हेडगवार ने स्वतन्त्रता आंदोलन की सभी धाराओं का अनुभव और चिंतन किया। इतिहास में भी बार झबार गुलाम बने। पराक्रम से स्वतंत्रता वापस पाई, लेकिन वह टिक नहीं सकी। अब भी हमें स्वतंत्रता मिलेगी, लेकिन फिर से गुलामी नहीं आएगी, इसकी क्या गारंटी है? हमारे समाज में कुछ कमी है, इसे डॉ हेडगेवार ने पहचाना। हम अपनी एकता भूल गए, स्वार्थ बढ़ गया, समाज गुणहीन बन गया, अनुशासन नहीं रहा। दरिद्रता,गरीबी और अज्ञान उत्पन हुआ। समाज को गुणवान, अनुशासित, समृद्ध और संगठित बनाए बिना स्वतंत्रता को टिकाया नहीं जा सकता। इसी उद्देश्य से डॉ हेडगेवार ने विभिन्न प्रयोगों के पश्चात 1925 में संघ की स्थापना की।

आज वर्तमान में संघ का कार्य कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश तक भारत के हर कोने तक पहुंच चुका है। संपूर्ण भारत के कुल 924 जनपदों में से 98.3प्रतिशत जिलों में संघ की शाखाएं चल रही हैं। कुल 6618 खण्डों में से 92.3 प्रतिशत खण्डों में, कुल 58939 मंडलों में से 52.2 प्रतिशत मंडलों में 51740 स्थानों पर 83129 दैनिक शाखाएं तथा अन्य 26460 स्थानों पर 32147 साप्ताहिक मिलन के माध्यम से संघ कार्य का देश व्यापी विस्तार हुआ है।

समाज के सुरक्षा के लिए संगठन का विस्तार हो

जीवन के वर्तमान चुनौतियो से डटकर सामना करने के लिए हमें संगठन विस्तार करना है। संगठन विस्तार समय की मांग है समाज को सशक्त बनाने के लिए संगठित करना अति आवश्यक है। आपसी मतभेदों को भूलकर हमे राष्ट्रीय चेतना का संचार करना है।

आज के युवा ही देश के भविष्य है इसलिए राष्ट्रहित में युवा आगे आए। राष्ट्र रक्षा सभी के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। युवा शक्ति देश के लिए शुभ है। युवा राष्ट्र के पूंजी समान है। सभी युवाओं को राष्ट्रहित के लिए अपने जीवन को आहुत करना चाहिए। राष्ट्र सुरक्षित रहेगा तभी व्यक्ति का जीवन सुरक्षित रह पाएगा। सभी अपने स्वार्थ को त्यागे और देश हिट में आगे आए। देश की रक्षा सभी के लिए प्राथमिकता में रहे

धर्मांतरण से राष्ट्रांतरण, भविष्य के लिए खतरा

एक व्यक्ति के द्वारा धर्मांतरण होने से उसके मूल चरित्र का राष्ट्रांतरण हो जाता है फिर वो व्यक्ति यहां के धर्म रीति रिवाज रंग तीज त्योहारों के परिपाटी का पूरी तरह दुश्मन बन जाता है। निहितार्थ ये है जितना धर्मांतरण होगा उतना देश और समाज के दुश्मन पैदा होंगे इस तरह से राष्ट्र के आंतरिक सुरक्षा के लिए भी धर्मांतरण बहुत बड़ी चुनौती है इसे हर हाल में रोकने की आवश्यकता है।

सेवा के आड़ में ईसाई मिशनरियां समाज को धोखा दे रही है। इस कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल हुए।

रिफिलिंग का अवैध धंधा : चुटिया में देर रात छापेमारी ,210 सिलेंडर जब्त

रिफिलिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी किये गये जब्त

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के चुटिया इलाके में गुरुवार देर रात प्रशासन ने अवैध गैस कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 210 से अधिक एलपीजी सिलेंडर जब्त किया। यह छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें साईं कॉलोनी और पावर हाउस के पास स्थित सारा कॉलोनी सहित कई जगहों को निशाना बनाया गया। देर रात तक चले इस अभियान से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जिला प्रशासन और चुटिया थाना की संयुक्त टीम ने अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल व्यावसायिक कामों में किया जा रहा था, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। जब्त सिलेंडरों में इंडेन, भारत गैस और उज्ज्वला योजना के कनेक्शन वाले घरेलू सिलेंडर भी शामिल हैं, जिनकी सप्लाई और उपयोग पर सख्त नियम लागू होते हैं। रिहायशी इलाकों में बनाए गए थे अवैध स्टोरः प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, जिन घरों और परिसरों से सिलेंडर बरामद हुए, वे सामान्य आवासीय भवन हैं, लेकिन अंदर बड़े पैमाने पर गैस का स्टॉक जमा किया गया था। इससे सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। सबसे ज्यादा बरामदगी साईं कॉलोनी सेः कार्रवाई के दौरान सारा कॉलोनी के एक परिसर से करीब 120 से ज्यादा सिलेंडर मिले। वहीं, साईं कॉलोनी के एक मकान से 70 से अधिक सिलेंडर बरामद किए गए। एक छोटे मालवाहक वाहन से भी करीब 20 सिलेंडर जब्त किए गए, जो संभवतः सप्लाई के लिए तैयार थे।

कॉमर्शियल सिलेंडरों का भी खेलः छापेमारी में बड़ी संख्या में कॉमर्शियल सिलेंडर भी मिले, जिन्हें बिना अनुमति के रखा गया था। इससे साफ है कि घरेलू और व्यावसायिक गैस के बीच अंतर को नजरअंदाज कर मुनाफाखोरी की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान सिटी डीएसपी और स्थानीय थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया एसडीओ के निर्देश पर संचालित की गई।

प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि यह सिर्फ शुरूआती कार्रवाई है और आगे भी इस तरह के नेटवर्क को तोड़ने के लिए अभियान जारी रहेगा। जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पोइला बैशाख पर आपोनजन बंगाली संगठन का सांस्कृतिक समारोह

मेट्रो रेज संवाददाता

हटिया/रांची: सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था 'आपोनजन बंगाली संगठन' के तत्वावधान में हटिया क्षेत्र अंतर्गत सिंह मोड़ के विकास नगर रोड नंबर 2 स्थित आपोनजन बंगाली दुर्गा पूजा समिति के मंच पर पोयला वैशाख (नव वर्ष समारोह) का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति हुई।

इस संबंध में आपोनजन बंगाली संगठन के सचिव जगत ज्योति राय ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोयला वैशाख (बंगाली नव वर्ष) के अवसर पर संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें संगठन के सदस्यों व उनके बच्चों द्वारा गायन, नृत्य-संगीत व अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समारोह में ओपुर पाठशाला के बच्चों द्वारा नाटक(अवाक जलपान)का मंचन किया गया। संगठन के अध्यक्ष रमेश चंद्र सरकार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर काफी संख्या में आपोनजन बंगाली संगठन के सदस्य गण उपस्थित रहे।

GOVT. OF JHARKHAND
DRINKING WATER & SANITATION MECH. DIVISION, RANCHI

e-Procurement INVITATION FOR BIDS (IFB)
Short e-quotation No:- DWSMD/RANCHI-01/2026-27

Sl. No.	Name of Schemes	Estimated Cost (Rs)	Earnest Money (Rs)	Cost of Tender Paper (Rs)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6
1	E-quotation for seeking firm rates for non-schedule items for preparing estimates.	0.00	0.00	0.00	0.00

1	Date of publishing on website	17/04/2026 at 02.00 PM
2	Last date & time for online receipt of bid	30/04/2026 at 03.00 PM
3	Date of online opening	02/05/2026 at 03.00 PM
4	Place for online opening of bids	Office of the Superintending Engineer, D. W. & S. Mech. Circle. Ranchi
5	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, D.W. and S. Mech . Division, Ranchi. Zila School Campus Water Tower, near Jain Mandir, Upper Bazar, Ranchi – 834001
6	Contact no of Procurement office	0651-3577997, 9431161242 e-mail :- dwsdmechranchi@gmail.com

नोट –1. केवल ई–कोटेशन ही स्वीकार किये जायेंगे ।
2. ऐसे निर्माता / निर्माता के अधिकृत विक्रेता जिन्हें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड सरकार का निबंधन प्राप्त नहीं है, वे भी निविदा में भाग ले सकते है ।
3. निविदा की सूचना तथा नियम शर्तें की जानकारी वेबसाईट www.prdjharkhand.in, प्रमण्डलीय तथा अंचल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है । निविदा की जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमण्डल,राँची
PR 377617 (Drinking Water and Sanitation)26-27*D

नारी शक्ति वंदन अधिनियम स्वागत योग्य : रानी कुमारी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण व विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक सशक्त माध्यम है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती अभिरुचि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को समुचित सम्मान देने से लोकतंत्र मजबूत होगा। उक्त बातें महिला हितों के संरक्षण हेतु झारखंड में संघर्षशील संस्था 'नारी शक्ति सेना' (गुलाबी गैंग) की संस्थापक अध्यक्ष व शहर की जानी-मानी समाजसेविका तथा पूर्व जैक पार्षद रानी कुमारी ने एक वक्तव्य में कही। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं के लिए राजनीतिक क्षेत्र में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया जाना स्वागत योग्य है। निःसंदेह पंचायतों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं, लेकिन नीति निर्माण की शीर्ष प्रक्रिया में भी महिलाओं की भूमिका बढ़ने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकसभा व विधानसभा में महिलाओं के भागीदारी 15 प्रतिशत से भी काम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकसभा व विधानसभा में सीटें बढ़ेगी। इससे नीति निर्माण के स्तर पर महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएं समर्पण के साथ अपने परिवार की जिस तरह देखभाल करती है, उसी प्रकार एक महिला विधायक व एक महिला सांसद अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता पर रखते हुए उसके निदान की दिशा में भी ठोस पहल करेगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं नीति निर्धारक के रूप में आगे आयेंगी तो महिला उद्यमिता को भी बल मिलेगा। स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देने वाली नीतियां सशक्त होंगी। राजनीति में आधी आबादी की भागीदारी बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम सिर्फ एक विधायी सुधार ही नहीं, बल्कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने वाला मील का एक पत्थर साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार इस अधिनियम को यथाशीघ्र लागू कर महिलाओं को राजनीति में समूचित भागीदारी प्रदान करने का अवसर देगी। रानी कुमारी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करने में सभी दलगत हितों से ऊपर उठकर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर एकजुटता दिखाएं, क्योंकि यह अधिनियम भारतीय महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण ही नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास से भी संबंधित है।

स्वतंत्रता सेनानियों का कोई जाति या धर्म नहीं होता : प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव

संवाददाता

रांची: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम 1857 सिपाही विद्रोह के जननायक अमर सेनानी ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव का शहादत दिवस एचइसी सेक्टर 3 स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक पर रांची जिला क्षत्रिय समाज द्वारा मनाया गया।

रांची जिला क्षत्रिय समाज के अगुवा लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव के नेतृत्व में क्षत्रिय समाज सहित समाज के अन्य वर्ग के लोगों द्वारा शाहदेव चौक सेक्टर 3 स्थित ठाकुर साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की कोई जाति और कोई धर्म नहीं होता है। वे देश के धरोहर हैं। अतः अमर शहीदों को मान सम्मान देने में हमें कोताही नहीं बरतनी चाहिए। समाज के सभी लोगों को आगे आकर अमर शहीदों को याद करना चाहिए। श्री शाहदेव ने विश्वनाथ शाहदेव की शहादत दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री या मंत्री या विपक्ष के नेता या कोई भी सरकारी अधिकारियों के कार्यक्रम स्थल न पहुँचने पर आक्रोश व्यक्त किया। सरकार में शामिल लोगों के द्वारा सिर्फ सोशल मीडिया में एक पोस्ट डालकर श्रद्धांजलि देकर इतिश्री कर ली गयी। उन्होंने कहा कि झारखड में यह अमूमन देखा जाता है कि राज्य में जिस किसी भी पार्टी की सरकार बनती है तो शहीदों की जाति देखकर और वोट बैंक देखकर ही मान सम्मान दी जाती है जो गलत है। अगर ये अमर शहीद नहीं होते तो आज देश आजाद नहीं होता और जिस सत्ता का सुख लोग भोग रहे हैं वह कदापि सम्भव न होता। अतः शहीदों की जाति और धर्म न देखे सरकार और राज्य के सभी शहीदों को उचित मान सम्मान दे। श्री शाहदेव ने झारखंड क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के नाम पर करने की तथा अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के वंशजो को उनका हक और अधिकार देने की मांग की। सभा को कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुनील सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि ठाकुर साहब की शहादत दिवस के अवसर पर समाज के सभी वर्ग और सभी दलों के सदस्य यहाँ उपस्थित होकर देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को अपनी श्रद्धांजलि देने यहां आए हैं। देश के अमर शहीदों ने देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने हेतु समाज के सभी वर्ग के लोगों को अपने साथ जोड़ा और अंग्रेजों से लोहा लेने का काम किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

शुद्धि पत्र

भवन प्रमंडल सिमडेगा के अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 03/2026-27 एवं PR 376107 Simdega(25-26),D में प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा
PR 377646 Simdega(26-27)#D

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
उपकारा रामगढ़

ई-निविदा सूचना
eTender - HJ&DM/SJ-RAMGARH/Q-1/2026/558

1.	कारा का नाम	उपकारा रामगढ़।
2.	विषय	महानिरीक्षक, कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 2226 दिनांक 24.09.2025 मे निहित दिशा–निर्देष के अनुपालन मे कारा मे संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु प्रथम त्रैमासिक अवधि के लिए विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्रियों अन्य विविध सामग्रियों के क्रय / आपूर्ति के निमित्त ई0 निविदा का आमंत्रण (प्रथम त्रैमासिक निविदा दिनांक– 01.01.2026 से 31.03.2026 तक)।
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	5000.00 (पांच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	तिथि–18.04.2026 से 27.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक।
5.	निविदा Online Upload करने की तिथि।	तिथि–18.04.2026 से 27.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक।
6.	आपूर्ति एवं खाद्य सामग्रियो का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि।	तिथि–27.04.2026 से 28.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (2500/- से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–27.04.2026 से 28.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि / समय / स्थान	दिनांक–29.04.2026 को अपराह्न 12.30 बजे N.I.C, Ramgarh के कार्यालय में अपर समाहर्ता, रामगढ़ की उपस्थिति में।

नोट– 1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार के वेबसाईट https:/jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त / स्वीकृति की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, उपकारा रामगढ़ के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No- 9430342752 मे सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रभारी काराधीक्षक, उपकारा, रामगढ़
PR 377689 Home, Prison And Disaster Management (26-27)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला

''अति अल्पकालीन निविदा आमत्रंण सूचना''
संख्या –02 / 2026–27

1. विभाग का नाम : भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का पद नाम : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 24.04.2026 को अपराह्ण 1:00 बजे तक।
4. मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 25.04.2026 को अपराह्ण 3:00 बजे तक।
5. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.04.2026 को अपराह्ण 3:30 बजे से।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1.कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, गुमला। 2. सहायक अभियंता का कार्यालय,भवन अवर प्रमंडल सं.–01, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला।
8. कार्य की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Detail Estimate for the Extention & Upgradation Of Boundary Wall ,Construction Of Pcc Road & Guard Room In The Campus Of ITI Silam , Gumla, For The Year 2025-26	2429700	48600	5000	3 महीना
2	Construction Of Boundary Wall,& Main Gate In The Campus Of Hostel Of ITI Silam , Gumla, For The Year 2025-26	2491300	49900	5000	3 महीना
3	Earth Filling,Construction Of Septic Tank & Rain Water Harvesting System In The Campus Of ITI Silam ,Gumla, For The Year 2025-26	1137300	22800	2500	3 महीना
4	Construction of Partition wall Bathroom and Machine Base Foundation at workshop in the Campus of L.W.E I.T.I Sisai Gumla.	1648100	33000	5000	3 महीना

नोट :– निविदा की शर्त www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला
PR 377699 Building (26-27)_D

कार्यालय उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, राँची
(कल्याण शाखा)
(समाहरणलय राँची,ब्लॉक–ए, कमरा संख्या–112)

नोटिस

जिला कल्याण कार्यालय, रांची से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक श्रेणी के लाभुकों को स्वरोजगार एवं स्वालंबन हेतु सरकारी संकल्प के आलोक में किफायती ब्याज दर तथा पर्याप्त सब्सिडी के साथ 50,000 / – (पचास हजार) रूपये से लेकर 25,00,000 / – (पच्चीस लाख) रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया गया है।

विगत विभागीय स्तर पर आयोजित बैठक में कल्याण कार्यालय से इस योजना अंतर्गत सरकार के द्वारा लाभुकों को उपलब्ध कराई गई ऋण की राशि के वसूली की विस्तृत समीक्षा की गई तथा मासिक किस्तों की वसूली सुनिश्चित् करने तथा डिफॉल्टर लाभुकों तथा उनके गारंटर पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश प्राप्त हुआ है।

पूर्व में इस कार्यालय के द्वारा सभी ऋण धारकों को मासिक किस्त जमा करने की सूचना प्रदान की गई थी। पुनः बजरिये इस नोटिस के माध्यम से सूचित करना है कि मासिक किस्तों की वसूली में लाभुकों के द्वारा जानबूझकर लापरवाही बरती जा रही है एवं ब्याज दर बेहद कम होने तथा पर्याप्त सब्सिडी होने के बावजूद ऋण की राशि वापस करने में बिल्कुल भी रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

ऐसे सभी लाभुकों को सूचित किया जाता है कि सरकारी ऋण का सही समय पर वापसी सुनिश्चित करें अन्यथा :–

1. आपके विरुद्ध नियमानुसार ऋण वापसी से संबंधित कार्रवाई की जाएगी।
2. आपका बैंक संबंधी दस्तावेज एवं पहचान पत्र ब्लैक लिस्ट करते हुए उसे लॉक करके भविष्य में किसी अन्य बैंकिंग अथवा गैर बैंकिंग संस्थान से ऋण लेने के लिए आपको अयोग्य घोषित किया जाएगा।
3. इस योजना के अंतर्गत लाभुकों के साथ गारंटर के रूप में अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों को भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा एवं ऋण की राशि के दुरुपयोग / गबन में सहभागी माना जाएगा, तथा उनके बैंक खातों पर भी होल्ड लगाने की कारवाई की जा सकेगी।
4. अंतिम विकल्प के तौर पर ऋण की राशि की मासिक किस्ते वापस नहीं करनें वाले ऋण धारकों तथा उनके गारंटर के उपर ऋण की राशि के दुरुपयोग / गबन के आरोप में विधिक कार्रवाई की जायेगी।

निदेश दिया जाता है कि उक्त नोटिस के एक सप्ताह के अंदर अपने ऋण का सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि जमा करते हुए रसीद जिला कल्याण कार्यालय, रांची (समाहरणालय राँची, ब्लॉक–ए, कमरा संख्या–112) में जमा करना सुनिश्चित करें अन्यथा उतरोत्तर कार्रवाई के लिये स्वयं जिम्मेवार होंगे।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
राँची
PR 377703 Welfare(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आयुर्वेद को बड़ी दवा कंपनियों की नहीं, अच्छे वैद्यों की जरूरत

धन लोलुपता के चलते कुछ स्वनामधन्य लोगों और संस्थानों ने भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को अपनी तिजोरियां भरने का जरिया बना दिया है। कतिपय ऐसे लोगों और संस्थाओं की इस घोर वणिक प्रवृति एवं संकीर्ण सोच ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक आधार को पूर्ण रूप से खंडित कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों से आयुर्वेद के नाम पर बाजारों में निम्न दर्जे की औषधियां एवं अन्य उत्पाद बेचने की गलाकाट प्रतियोगिता चल रही है। निहित स्वार्थों के कारण इस पुरातन चिकित्सा पद्धति का बाजारीकरण कर दिया गया है। आयुर्वेदिक के नाम पर बाजार में बेची जा रही निम्न स्तरीय दवाओं के कारण सदियों से जांची- परखी इस चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों में अविश्वास की भावना उत्पन्न हुई है। वस्तुतः आयुर्वेद, प्रकृति को समझने और उस समझ का प्रकृति को नियंत्रित करने के लिए उपयोग करने की प्रक्रिया के दौरान प्राप्त अनुभव से उत्पन्न ज्ञान है। इसीलिए आयुर्वेद को प्राचीनतम विज्ञान कहा जाता है। आयुर्वेद का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना आदिम समाज का। वेद प्राचीनकाल से ही मानव सभ्यता की नींव रहे हैं। आयुर्वेद को अथर्ववेद का उप वेद माना जाता है। अथर्ववेद ही आयुर्वेद का मूल आधार है। ईसा पूर्व लगभग छठी शताब्दी में तक्षशिला के चिकित्सा विज्ञान के शिक्षक आत्रेय के शिष्य- जातुकर्ण,भेला, क्षारपाणी,हरिता और पारासर आदि विद्वानों ने औषधि विज्ञान पर अनेक ग्रन्थों की रचना की थी। पांचवीं सदी ईसा पूर्व से छठी सदी के कालखंड में आयुर्वेद पर मौलिक रचनाएं लिखीं गईं। ईसा पूर्व लगभग दूसरी शताब्दी में पतंजलि और उनके बाद अनेक विद्वानों ने भारतीय चिकित्सा पद्धति के मुख्य ग्रन्थ 'चरक संहिता' पर टीकाएं लिखीं थीं। चरक संहिता और शल्य चिकित्सा के मूल ग्रन्थ 'सुश्रुत संहिता' का रचनाकाल ईसा से छह सौ वर्ष पूर्व माना जाता है।

आयुर्वेद के इन प्राचीन ग्रन्थों में विभिन्न रोगों के लक्षण, निदान की सूची का वर्गीकरण, रोगों के उपचार पद्धतियों का वर्णन, औषधियों के गुण, औषधि देने की विधि और मात्रा आदि का सविस्तार वर्णन है। प्राचीनकाल से ही चरक संहिता और सुश्रुत संहिता आदि ग्रन्थ आयुर्वेद के मूलाधार रहे हैं। आयुर्वेद में सब बीमारियों के लिए वात, पित्त और कफ, तीन दोष माने गए हैं। इन दोषों में वायु को बलवान माना गया है। नाड़ी परिक्षादि विधि दी गई है। सुश्रुत संहिता में रोग की छह प्रकार की परीक्षा बताई गई है। पांच श्रोत्रादि इंद्रियों से और छठी प्रश्न से। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रन्थों में यह बात साफ तौर पर कही गई है कि बारंबार परीक्षा द्वारा ही रोग निश्चय करना चाहिए। यानी रोग की पहचान और उसके उपचार के लिए शोध को अनिवार्य बताया गया है।

भारत में प्राचीनकाल से ही समृद्ध स्वास्थ्य धरोहर रही है। 3000 ई. पू. के प्राचीन भारत में स्वच्छता और बेहतर जन स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया जाता था। वैदिक काल के दौरान सामुदायिक स्वच्छता के विभिन्न उपायों का उल्लेख वेदों में भी हुआ है। आयुर्वेद तथा मनु संहिता में स्वच्छता के प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता और छूत के रोगों के नियंत्रण से जुड़े रोग निवारण का उल्लेख हुआ है। चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में विभिन्न रोगों के रोकथाम के लिए एक विकसित जन स्वास्थ्य प्रणाली थी। उस दौर में साफ -सफाई और स्वच्छता के प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य की होती थी। मध्यकाल के दौरान प्रकाशित अनेक काव्य संग्रहों में भी रोगों की रोकथाम के लिए अपनाए जाने वाले उपायों का उल्लेख हुआ है।

देश में प्राचीन काल से ही रोगों के रोकथाम से जुड़ी अनेक प्रथाएं प्रचलित हैं। मसलन- भोजन से पहले और भोजन के बाद हाथ धोना, घर के भीतर जाने से पहले जूते - चप्पल बाहर उतारना, रोजाना स्नान करना, रसोईघर में सबको नहीं जाने देना, प्रसूति के बाद मां और बच्चे को एक निश्चित समय के लिए अलग रखन, ताकि मां और नवजात शिशु को संक्रमण से बचाया जा सके। प्राचीन भारत के निवासी टीकाकरण से भी बखूबी वाकिफ थे। उस काल में चिकित्सा के बजाय रोगों की रोकथाम पर अधिक ध्यान दिया जाता था। करीब ढाई हजार साल पहले भारत में चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लौह युगीन भारत में चरक और सुश्रुत के शिष्य गांव-गांव जाकर रोगियों की शल्य चिकित्सा करते थे। शल्य चिकित्सा से पहले रोगी को मदिरा पिलाई जाती थी। ताकि शल्य चिकित्सा के दौरान होने वाले दर्द की वजह से रोगी बेहोश न होने पाए और उसे उपकरणों की चुभन का भी अनुभव न हो। यह प्राचीन भारत की चिकित्सा पद्धति में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीक का प्रारंभिक चरण था।हालांकि चरक और सुश्रुत के शिष्यों के इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण उन्हें अक्सर धर्माधिकारियों के क्रोध का भी सामना करना पड़ता था।

आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति आध्यात्मिक विश्वास पर आधारित है। लिहाजा प्रारंभिक वैदिक काल में रोगी के उपचार का दायित्व पुरोहितों का था। रोगियों का उपचार करना पुरोहित का कर्तव्य माना जाता था। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पर शार्ङ्गधर नाम के एक विद्वान ने शार्ङ्गधरसंहिता लिखी है। शार्ङ्गधरसंहिता का रचनाकाल 12वीं शताब्दी माना जाता है। शार्ङ्गधरसंहिता में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में रोग की पहचान और संबंधित रोग के लिए दवा बनाने की लंबी और जटिल प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन है।शार्ङ्गधरसंहिता के श्लोक संख्या-तीन में लिखा गया है किः-

अथार्तः प्रथम वैद्य हेतु आदिरूप आकृति सात्म्य जाति इन भेदों से रोगी के संपूर्ण रोगों को जान फिर यथाशास्त्र उत्तम प्रकार के प्रयोगों से कृषण और बृहण द्विविध चिकित्सा यथाक्रम करे।अन्यथा दोष लगता है। वाग्भट्ट लिखते हैं -कि जो बिना दोषों को जाने वैद्य चिकित्सा कर्म को करता है वो उस कर्म की सिद्धि को तथा सुख और सद्गति को नहीं प्राप्त होता।।3।। शार्ङ्गधरसंहिता में औषधि कैसे, किस प्रकार और किस स्थान से लाई जा सकती है, इसका पूरा विधान दिया गया है। जड़ी- बूटियों की गुणवत्ता में स्थान और ऋतु का बहुत महत्व बताया गया है। शरद ऋतु (आश्विन- कार्तिक) महीने की संपूर्ण औषधि को रस से परिपूर्ण बताया गया है।

शार्ङ्गधरसंहिता में श्मशान भूमि, बंजर, रास्तों की जड़ी - बूटियां और कीड़े की खाई, आग से जली तथा पाले की मार वाली जड़ी- बूटियों को वर्जित बताया गया है। औषधि लाने की जटिल विधि बताई गई है। कहा गया है कि औषधि लाने के निमित्त प्रातः काल उठ स्वस्थ्य चित्त करके, पवित्र होकर,उत्तम दिन,अर्थात-उत्तम तिथि,नक्षत्र,योग और लग्न में,सूर्य के सन्मुख मुख करके तथा सूर्य को प्रणाम कर और हृदय में परमात्मा का ध्यान कर,मौन में स्थिर हो, जंगल और अनुपरहित ऐसी साधारण पृथ्वी में उत्पन्न होने वाली और उत्तर दिशा में जो औषधि है,उनको ग्रहण करे। यह भी कहा गया है कि उत्तराश्रित अर्थात उत्तराभिमुख होकर औषधि उखाड़े।

औषधियों में जड़ी-बूटियों के किस भाग का उपयोग किया जाना चाहिए शार्ङ्गधरसंहिता में इसका भी विस्तार पूर्वक वर्णन है। कहा गया है कि जिन वृक्षों की बड़ी जड़ हो, जैसे नीम, वड़ और आम, उनकी छाल या जड़ की छाल लेनी चाहिए। जिन वनस्पतियों की छोटी जड़ हो, जैसे कटेरी, धमासा, गोखरू आदि उनके सभी अंग- जड़, पत्ता, फूल-फल और शाखाएं, सब लेनी चाहिए। आम धारणा है कि आयुर्वेद की दवाएं या उत्पाद कालातीत नहीं होते। पर ऐसा नहीं है। शार्ङ्गधरसंहिता में कहा गया है कि वन से लाई हुई औषधि एक वर्ष के पश्चात तेज और गुण रहित हो जाती है।

बीबीएन प्रदूषण की मार झेलने को अभिशप्त

> संयंत्र के दुष्प्रभावों को बारीकी से समझने से पहले बीबीएन की ऐतिहासिक लापरवाह संस्कृति पर नजर डाल लेते हैं। 2025 तक कार्यरत 2919 इकाइयों में से 87 पर्यावर्णीय प्रदूषण रोकने के लिए जरूरी प्रावधानों का उलंघन करते हुए पकड़ी गईं और उनसे 3 .2 करोड़ रुपये प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वसूला।

कुलभूषण उपमन्यु

हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक विकास की रीढ़ माना जाने वाला बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ (बीबीएन) क्षेत्र बहुत से नकारात्मक कारणों से भी चर्चा में रहता आया है। वर्तमान में यह क्षेत्र प्लास्दा में किण्वन उद्योग लिमिटेड के एपीआई (सक्रिय भेषजीय सामग्री) संयंत्र के कारण चर्चा में है। इस प्लांट के कारण आसपास के 4-5 किलोमीटर क्षेत्र में जनता का दुर्गन्ध के कारण सांस लेना दूभर हो गया है और प्लांट का प्रदूषित जल नदी-नालों में छोड़ने के कारण जल भी प्रदूषित हो गया है। अत्यधिक भूजल दोहन के कारण आसपास के क्षेत्रों में हैंडपंप सूखने लग पड़े हैं। इस संयंत्र को प्रतिदिन 6.7 किलो लीटर पानी उपयोग की स्वीकृति है। लोगों का कहना है कि यह संयंत्र काफी ज्यादा भूजल दोहन कर रहा है, जिसके कारण पहले से लगे हैंडपंप सूखने लगे हैं।

संयंत्र के दुष्प्रभावों को बारीकी से समझने से पहले बीबीएन की ऐतिहासिक लापरवाह संस्कृति पर नजर डाल लेते हैं। 2025 तक कार्यरत 2919 इकाइयों में से 87 पर्यावर्णीय प्रदूषण रोकने के लिए जरूरी प्रावधानों का उलंघन करते हुए पकड़ी गईं और उनसे 3.2 करोड़ रुपये प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वसूला। 27 इकाइयों और चार स्टोन क्रशरों की बिजली काटी गई। प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगाए गए उपकरणों का समय-समय पर सुधार करना पड़ता है, जो नहीं किया गया और सामयिक रखरखाव के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नवीकरण करवाना पड़ता है, जो नहीं करवाया गया।

बीबीएन में 308 इकाइयां लाल श्रेणी की हैं, जिनमें ये उल्लंघन ज्यादा पाए गए। प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का सुधार या रखरखाव पैसा बचाने के लिए ही ये लोग नहीं करते हैं और इससे कई बार भ्रष्टाचार भी जुड़ा रहता है। कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी हमीरपुर के एक अध्ययन में यह सामने आया की भूजल में सल्फेट, तांबा, लोहा, स्वीकृत स्तर से ज्यादा पाया गया। अम्लीयता भी अधिक पाई गई। वायु सूचकांक खतरनाक स्तर 324 मापा गया। जाहिर है कि जहां उद्योग विकास के लिए लगाये जाते हैं वहां औद्योगिक प्रदूषण को व्यापारिक हितों को मुख्यता देने वाले उद्योगपति, कोई महत्व नहीं देते हैं और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने में घोर लापरवाही बरतते हैं। इससे एक ओर कुआं और दूसरी ओर खाई वाली स्थिति बन जाति है।

उद्योग न लगाएं तो बेरोजगारी और लगाएं तो प्रदूषण जनित लापरवाहियों से जीवन दुखी और असंभव। इसलिए हिमालय को प्रदूषणकारी लाल श्रेणी की औद्योगिक गतिविधियों से दूर रखने की हिमालय नीति अभियान और सहयोगी सामाजिक जन आन्दोलन की वकालत करते रहे हैं ताकि यह क्षेत्र पर्यटन और मैदानी प्रदूषण से थके हारे लोगों के लिए सामयिक विश्राम स्थल के रूप में बचा रहे। अगर हिमालय भी धूल, धुएं और अशुद्ध जल का घर बन जाएगा तो मानवता को विश्रांति कहां मिलेगी। सवाल है कि देश के लिए हिमालय द्वारा दी जा रही पर्यावरणीय सेवाओं को होने वाली अपूरणीय हानि की भरपाई कैसे होगी। स्थानीय समुदायों को प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य, आजीविका और असुविधा का गुनहगार कौन होगा। ये सवाल अनुत्तरित ही रह जाते हैं।

अब सक्रिय भेषज सामग्री को समझने का प्रयास करते हैं। ये वह सामग्रियां हैं जो किसी दवाई में वांछित असर या गुण प्रदान करती हैं। ये रोगी को देने के लिए तैयार दवाई का लगभग आधा हिस्सा हैं और दूसरा आधा है एक्ससेपिएंट्स या सहायक तत्व। ये रासायनिक स्तर पर निष्क्रिय होते हैं, जबकि इनसे मिल कर रासायनिक तौर पर सक्रिय भेषज सामग्रियां या घटक ही दवाई को वांछित गुण प्रदान करती हैं। इन सक्रिय भेषज सामग्रियों को बनाने की प्रक्रिया भी काफी पेचीदा होती है जिसमें अनेक रासायनिक पदार्थों का प्रयोग होता है, जिससे इन रसायनों से प्रदूषण फैलने का भी खतरा बना रहता है। अतः रसायन मार्ग आधारित सक्रिय भेषज घटकों के निर्माण के बजाय अब कई दवा कंपनियां बैक्टिरिया या खमीर आधारित किण्वन मार्ग को अधिमान दे रही हैं।इसमें विभिन्न भेषजीय तत्वों को विभिन्न सूक्ष्म जीवियों के माध्यम से उपचारित करके किण्वन (खमीरीकरण) से विभिन्न रासायनिक यौगिक प्राप्त कर लिए जाते हैं, जिन्हें एपीआई या सक्रिय भेषजीय घटक कहा जाता है। यह तो ठीक है कि रासायनिक मार्ग के मुकाबले किण्वन (खमीरीकरण) मार्ग से कम प्रदूषण होता है किन्तु यह मार्ग भी कदाचित निरापद नहीं है। खमीरीकरण में दुर्गन्ध पैदा होती है जिसका सही उपचार न किया जाए तो आसपास के निवासियों का जीना दूभर हो जाता है। इस प्रक्रिया में काफी मात्रा में अपशिष्ट पैदा होता है, जिसके निपटान के लिए निर्धारित मानदंडों का प्रयोग न करके अपशिष्ट उपचार संयंत्र लगा कर भी उनको पैसा बचाने के लिए संचालित ही नहीं किया जाता। आक्सीकरण द्वारा अपघटनीय और केवल जैवीय रूप से अपघटनीय कार्बनिक पदार्थ भी बिना यह तय किए कि इनके अपघटन के लिए कौन सी विधि प्रयोग में लाई जाएगी, बिना संशोधित किए ही खुले छोड़ दिए जाते हैं, जो एपीआई एकत्रित करने योग्य नहीं बचते और एंटीबायोटिक अपशिष्ट भी बिना संशोधित किए जल, और मिटटी प्रदूषण द्वारा पर्यावरण और मानव एवं अन्य पशु जगत के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के नाम पर बहुत सी जानकारियों को छुपाया जाता है इसके कारण अपशिष्ट प्रबन्धन पर निगरानी रखना कठिन हो जाता है। इन सबका एकत्रित विषाक्त प्रभाव कितना पड़ रहा है, इसका अभी तक पूर्ण आकलन ही नहीं किया गया है। अतः ठोस और तरल या अर्ध तरल अपशिष्ट पदार्थों का संशोधन, उनके खतरनाक विषाक्त स्तर के आकलन के अनुसार कुशलता पूर्वक किया जाना चाहिए वरना यह लापरवाही पर्यावरण, मानव और जीव स्वास्थ्य के लिए बड़ा हानिकारक साबित हो सकता है। एक सदइच्छा से किया गया प्रयास स्थानीय समाज के लिए घातक साबित हो सकता है। अतः उद्योगपतियों को तमाम सुविधाएं देने के बाद भी उनकी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए शीघ्र ही कार्रवाई की जानी चाहिए।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और पर्यावरणविद् हैं।)

पश्चिम बंगाल में नई सरकार की अनिवार्यता का विमर्श

> प्रशासनिक निर्णयों में संस्थाओं की भूमिका सीमित होती गई और राजनीतिक व प्रशासनिक तंत्र के बीच की दूरी कम होकर पक्षपातपूर्ण होते हुए दिखी। हालांकि ममता का राज इसी विश्वास पर बहाल हुआ था कि पश्चिम बंगाल से अराजकता की समाप्ति होगी, बांग्लादेश से होनेवाली घुसपैठ रुकेगी और हिंसा बंद होकर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से एक व्यापक सामाजिक, वैचारिक और लोकतांत्रिक संघर्ष का मंच रही है। इस बार भी 2026 के विधानसभा चुनाव इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक निर्णायक मोड़ पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। अब यह चुनाव ही तय करेगा कि राज्य में लोकतंत्र की गुणवत्ता, जवाबदेही और संस्थागत मजबूती किस दिशा में आगे बढ़ेगी। ऐसे परिदृश्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार का मूल्यांकन करना अनिवार्य हो जाता है।

दरअसल, पिछले एक दशक में ममता बनर्जी के नेतृत्व में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण देखने को मिला है। 2011 में परिवर्तन की उम्मीदों के साथ सत्ता में आई तृणमूल कांग्रेस ने शुरूआत में जनसमर्थन अर्जित किया, लेकिन समय के साथ यह शासन शैली एक व्यक्ति-केन्द्रित प्रशासन में बदलती चली गई। प्रशासनिक निर्णयों में संस्थाओं की भूमिका सीमित होती गई और राजनीतिक व प्रशासनिक तंत्र के बीच की दूरी कम होकर पक्षपातपूर्ण होते हुए दिखी। हालांकि ममता का राज इसी विश्वास पर बहाल हुआ था कि पश्चिम बंगाल से अराजकता की समाप्ति होगी, बांग्लादेश से होनेवाली घुसपैठ रुकेगी और हिंसा बंद होकर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। पर हकीकत में क्या हुआ? यही कि वादों के अनुरूप ममता सरकार कुछ नहीं कर पाई, उल्टा यह सामने आया कि संस्थाओं की स्वतंत्रता और जवाबदेही समाप्त हो गई। ममता सरकार अपनी हर आलोचना को दबाने लगी। विपक्ष को हाशिए पर धकेल दिया गया और प्रशासनिक मशीनरी को राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। स्वभाविक है कि सभी संकेत लोकतंत्र के लिए खतरे के हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार सवालों के घेरे में है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुआ जघन्य अपराध हम सभी ने देखा, कैसे एक प्रशासनिक संवेदनहीनता और जवाबदेही के अभाव का प्रतीक बन कर सामने आया है। ऐसे मामलों में सरकार की प्रतिक्रिया ने यह संदेश दिया कि ममता सरकार जनता की सुरक्षा से अधिक अपनी छवि बचाने में रुचि रखती है।इसके अतिरिक्त, राजनीतिक हिंसा की घटनाएं, जोकि बंगाल की राजनीति का एक पुराना दाग रही हैं, अब भी समाप्त नहीं हुई हैं, बल्कि कहना चाहिए ममता राज आने के बाद इसमें बढ़ोत्तरी ही हुई है। चुनावी प्रक्रिया में हिंसा, विपक्षी कार्यकताओं पर हमले और मतदाताओं को डराने-धमकाने के आरोप लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करते हैं।किंतु इस बात की फिकर किसे है! ममता का अपना अब तक फिक्स हो चुका वोट का चुनावी गणित है। इसलिए ही ममता सरकार की सबसे बड़ी आलोचनाओं में से एक उसकी वोट बैंक आधारित राजनीति रही है। यहां उल्लेखित है कि राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 28-29 फीसद है और लंबे समय तक एकमुश्त वोटिंग के कारण यह एक निर्णायक राजनीतिक कारक बनी रही है। कहना चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस ने इस समीकरण को कुशलता से साध रखा है, किंतु इसके परिणामस्वरूप नीति-निर्माण में संतुलन की कमी दिखाई देती है, राज्य का जो समग्रता के साथ विकास होना चाहिए, वह जैसे अब भी इस राज्य के लिए एक स्वप्न जैसा है। पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक मुस्लिम विशेषकर बहुसंख्यक हिन्दुओं पर हावी दिखता है। इस प्रकार की राजनीति ने समाज में विभाजन की भावना को जन्म दिया है, जिसमें कि एक ओर जहां लगातार ममता सरकार पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आरोप लगते हैं, वहीं दूसरी ओर बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय में असंतोष बढ़ा है। इसलिए यहां का अधिकांश बहुसंख्यक समाज सत्ता का बदलाव चाहता है।

इसका एक आधार फिर चुनावी आंकड़े भी हैं, जोकि इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। 2011 में 38.93 फीसद वोट से 184 सीटें, 2016 में 45 फीसद वोट से 211 सीटें और 2021 में 48 फीसद वोट से 213 सीटें जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस अब नए राजनीतिक समीकरणों से जूझती दिख रही है। वस्तुतः 2023 के सागरदिघी उपचुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत और 2024 के लोकसभा चुनावों में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस का बढ़ता प्रभाव इस बात का संकेत है कि ममता बनर्जी का पारंपरिक वोट बैंक अब पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहा। इससे यह स्पष्ट होता है कि ‘एकमुश्त वोट’ का पुराना गणित टूट रहा है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी का पश्चिम बंगाल में तेजी से बढ़त बनाना भी ममता सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। 2014 में मात्र 17 फीसद वोट पाने वाली भाजपा ने 2019 में 41 प्रतिशत वोट और 18 सीटें हासिल की थीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 सीटों के साथ वह मुख्य विपक्ष बनकर उभरी। इसके अलावा, कांग्रेस-वाम गठबंधन भी अपनी खोई जमीन वापस पाने का प्रयास कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ‘एकला चलो’ रणनीति और वाम दलों का पुनर्गठन यह संकेत देता है कि बंगाल की राजनीति अब बहुकोणीय संघर्ष में बदल चुकी है। एक तरह से देखें तो यह प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह सत्ता के एकाधिकार को चुनौती देती है। इसके साथ ही जिस तरह से इस बार मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का कार्य हुआ है और लगभग 58 लाख नामों का प्रारंभिक सूची से बाहर होना, यह बताता है कि अब तक जिस अवैध वोट बैंक के सहारे ममता की पार्टी राज्य की कई सीटों पर जीत दर्ज करती रही, इस बार वह चमात्कार करना आसान नहीं होगा। घुसपैठ और नागरिकता के प्रश्न पर सरकार का अस्पष्ट रुख भी यहां आम जन में आलोचना का विषय है। यह मुद्दा कहना होगा कि सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण से जुड़ा है। ममता सरकार पर ‘प्रतीकात्मक हिंदुत्व’ अपनाने के आरोप भी लगेते हैं, जैसे कि मंदिर उद्घाटन, दुर्गा पूजा को प्रोत्साहन आदि लेकिन आलोचकों का इस बारे में स्पष्ट मानना है कि ममता के द्वारा किए जाने वाले इस प्रकार के कार्य बांग्ला संस्कृति के लिए वास्तविक सांस्कृतिक पुनर्जागरण नहीं हैं, यह उनकी चुनावी रणनीति है। बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का वर्तमान राजनीतिक माहौल में लगातार क्षरण हो रहा है। ऐसे में कहना यही होगा कि ममता बनर्जी का शासन, जोकि कभी परिवर्तन का प्रतीक था, अब कई मायनों में ठहराव, केंद्रीकरण और विवादों का पर्याय बन चुका है। हिंसा उसके केंद्र में है। अनेक बड़ी हिंसात्मक घटनाएं जैसे आज पश्चिम बंगाल की नीयति बन गई लगती हैं। स्वभाविक है इस संदर्भ में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की आवश्यकता बन गया है। यदि जनता को लगता है कि शासन उनकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर रहा, तो परिवर्तन ही लोकतंत्र का स्वाभाविक और आवश्यक परिणाम होता है। 2026 का चुनाव इसी परिवर्तन की संभावना का प्रतीक बनकर सामने दिखाई दे रहा है। यह चुनाव तय करेगा कि क्या बंगाल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के अनुरूप एक अधिक जवाबदेह, समावेशी और संतुलित राजनीतिक व्यवस्था की ओर बढ़ेगा या फिर वर्तमान व्यवस्था के साथ आगे बढ़ेगा। आखिर, लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता है और उसे ही यहां तय करना है कि बंगाल का भविष्य किस दिशा में जाए!

वैशाख अमावस्या व्रत से जीवन में आती है सुख एवं समृद्धि

वैशाख अमावस्या का शुभ दिन स्नान, पूजा, सूर्य को जल अर्पण और पितरों के लिए तर्पण करने के लिए खास माना जाता है। वैशाख अमावस्या पर दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। इस विशेष दिन पूजा और शांति विशेष लाभकारी होता है तो आइए हम आपको वैशाख अमावस्या का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। जानें वैशाख अमावस्या के बारे में

वैशाख मास में पड़ने वाली अमावस्या को वैशाख अमावस्या कहते हैं। वैशाख अमावस्या को हिंदू वर्ष का दूसरा महीना कहा जाता है। शास्त्रों में वैशाख अमावस्या को धर्म-कर्म, स्नान-दान और पितरों के तर्पण के लिए बेहद शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में वैशाख

अमावस्या को विशेष महत्व दिया जाता है, यह दिन पितरों से जुड़े कर्म, शुद्धि और दान के लिए खास तौर से महत्वपूर्ण माना जाता है। पंडितों के अनुसार यह तिथि पितरों को मोक्ष दिलाने वाली मानी जाती है। इसलिए शास्त्रों में वैशाख अमावस्या को पितरों को मोक्ष दिलाने वाली अमावस्या भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह से त्रेता युग की शुरूआत हुई थी इसलिए वैशाख अमावस्या का धार्मिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण होती है।

पंडितों के अनुसार वैशाख अमावस्या तिथि पर आप भगवान विष्णु की आराधना कर सकते हैं, जो विशेषफयदायी मानी गई है। इसके अलावा इस दिन पर गीता का पाठ करना और विष्णु सहस्त्रनाम जप करने से ग्रह दोष के अशुभ प्रभावों से राहत मिलती है।

वैशाख अमावस्या पर करें इन चीजों का दान

वैशाख महीना गर्मी में आने के कारण इस समय बहुत गर्मी पड़ती है, इसलिए वैशाख महीने की अमावस्या पर आप जल, पंखा और घड़े का दान कर सकते हैं। यह दान पुण्यकारी माना जाता है। साथ ही इस दिन सूर्य देव की कृपा के लिए गुड़, गेहूं, तांबा और लाल वस्त्रों का दान कर सकते हैं। वहीं चंद्रमा के लिए सफेद चीजों जैसे दूध, चावल और सफेद वस्त्रों का दान करना उत्तम माना गया है।

जानें वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त

वैशाख अमावस्या के दिन सुबह का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:25 बजे से 5:09 बजे तक रहेगा, जो स्नान और पूजा के लिए बहुत शुभ होता है। सूर्योदय सुबह 5:54 बजे होगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:55 बजे से 12:47 बजे तक रहेगा, जो पूजा और दान के लिए अच्छा समय माना जाता है।

वैशाख अमावस्या पर ये न करें, हो सकता है नुकसान

पंडितों के अनुसार इस दिन कोई नया काम शुरू करने या बड़ी खरीदारी करने से बचें। यह दिन नई शुरूआत के बजाय पूजा, चिंतन और दान के लिए खास माना जाता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या पर मांस-मदिरा के सेवन से बचना चाहिए। इस दिन बाल और नाखून काटना भी वर्जित है। नए कार्य की शुरूआत और शुभ कार्य जैसे गृह प्रवेश, विवाह आदि भी इस तिथि पर नहीं करना चाहिए। नकारात्मक ऊर्जा की अधिकता के चलते अमावस्या पर रात में सुनसान जगहों पर जाने से बचें। किसी पर गुस्सा करने, धोखा देने, अपमान करने और जानवरों को नुकसान पहुंचाने से आपको पितरों की नाराजगी झेलनी पड़ती है। अमावस्या तिथि पर इन बातों का खासतौर से ध्यान रखें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने 05 खिलाड़ी बोकारो रवाना

साहिबगंज : झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं जिला प्रशासन,बोकारो द्वारा 18 से 19 अप्रैल तक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,चंदनक्यारी, बोकारो में आयोजित होने वाली 15वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए साहेबगंज जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में जिले से 05 एथलीट हुस्नआरा प्रवीण लम्बी कूद,सोनोत मरांडी,सुजीत सरकार 5000मी० एवं 10,000 मी०,अनिल मुर्मू 800 मी०,1500मी०, नीरज यादव जेवलिन थ्रोमें भाग लेने के लिए चंदनक्यारी, बोकारो के रवाना हुए।सभी एथलीटों को उपायुक्त हेमंत सती,अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार, कोच योगेश यादव, अशोक साहनी, प्रकाश सिंह बादल समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

बीडीओ ने कई लाभुकों के घर पहुंचकर निर्माण कार्य की स्थिति की जानकारी ली

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न आवास योजनाओं की प्रगति को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने फूलभंगा पंचायत में क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान अबूआ आवास योजना, पीएमएवाई-जी एवं बीएसबीएएवाई योजना के तहत 06 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चल रहे विशेष अभियान की समीक्षा की गई।भ्रमण के क्रम में बीडीओ ने कई लाभुकों के घर पहुंचकर निर्माण कार्य की स्थिति की जानकारी ली और लाभुकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लाभुक निर्धारित समय सीमा के भीतर आवास निर्माण कार्य पूर्ण करें। चेतावनी देते हुए कहा कि अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित लाभुकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।बीडीओ ने आवास योजनाओं से जुड़े प्रभारियों को भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अभियान को गंभीरता से लें और लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें।मौके पर आवास समन्वयक मार्शल किस्कू, आवास ऑपरेटर मो. शाहबाज आलम, आवास प्रभारी (जनसेवक) प्रदीप हांसदा, पंचायत सहायक अब्दुल जब्बार सहित विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि व कर्मी उपस्थित थे।

बैंक कर्मचारी की बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

साहिबगंज : जिला स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा के बाहर से बुधवार शाम एक कर्मचारी अखिलेश कुमार की बाइक चोरी हो गई।बताया जा रहा है कि चोरी हुई बाइक बैंक में कार्यरत एक अकाउंटेंट की थी।घटना उस समय हुई जब कर्मचारी अखिलेश कुमार अपनी हीरो सुपर स्प्लेंडर बाइक शाखा के बाहर खड़ी कर अंदर गए थे।कुछ देर बाद लौटने पर बाइक गायब मिली, जिसके बाद काफी खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका।इधर,मामले में राहत की बात यह है कि बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है,जिसमें चोर को बाइक ले जाते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।पीड़ित कर्मचारी अखिलेश कुमार ने मामले की जानकारी संबंधित थाने को दी है।पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

पाकुड शहरकोल प्यादापुर बाईपास सड़क निर्माण को मिली कैबिनेट से स्वीकृत

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में जो भी अधूरा कार्य है उसे पूरा करने को लेकर हम लोग लगातार काम कर रहे हैं उक्त बातें पाकुड विधायक निसात आलम ने कही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख सड़क सहरकोल से प्यादापुर बाईपास के निर्माण को लेकर भू अर्जन यूटिलिटी शिफ्टिंग वृक्षारोपण सहित अन्य के लिए 45 करोड़ 47 लाख 31 हजार रुपए की स्वीकृति झारखंड कैबिनेट से दी गई है, उक्त योजना में राशि की कमी के कारण योजना अधूरा पड़ा हुआ था जिसके लेकर विधायक काफी प्रयासरत थे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उक्त मामले को लेकर मुलाकात कर राशि कि मांग कि गई थी जिसकी बाद उक्त मामला को लेकर कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव लाया गया और कैबिनेट से इसकी स्वीकृति प्रदान की गई अब इसके स्वीकृत होने से अधूरा सड़क का निर्माण कार्य पूरा होगा और हमेशा की तरह लगने वाले जाम से पाकुड शहर वासियों को मुक्ति मिलेगी विधायक ने कहा कि हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में जो भी अधूरा काम पड़ा हुआ है उसे पूर्ण करें चौमुखी विकास करना हमारा मुख्य उद्देश्य है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत उपायुक्त को लगाया गया बैच

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा से गुरुवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी गोपाल यादव ने मुलाकात कर उपायुक्त श्री लकड़ा को अग्निशमन सेवा सप्ताह का बैच लगाया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री लकड़ा ने अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उपायुक्त श्री लकड़ा ने अग्निशमन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अग्निकांडो से बचाव के तौर-तरीकों के लिए आम लोगों को जागरूक करने की बात कही। ज्ञात हो कि 14 अप्रैल 2025 से 20 अप्रैल 2026 तक राज्य में अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।अग्निशमन सेवा सप्ताह का मुख्य उद्देश्य है कि लोगो को जागरूक किया जा सके कि आग लग जाने पर उस पर कैसे काबू किया जाय। साथ ही सुरक्षा के क्या मानक होना चाहिए आदि बातों की जानकारी दी जाती हैं। इसके अलावा वर्तमान में मौसम बहुत गर्म है ऐसे में थोड़ी सी भी लापरवाही बहुत बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकती हैं। किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में जान-माल की नुकसान ना होने पाए इस हेतु अग्निशमन सेवा सफ्ताह के माध्यम से लगो को जागरूक किया जा रहा है।

जो लोग भगवान का नाम लेते है व नशा का सेवन न करते वो हमेशा खुशहाल होते है

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के आठवें दिन गुरुवार की सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 25 सदस्यी पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया। सुबह, दोपहर व संध्या बेला में पूजन किया।वही देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए साधु संत महात्मा ओर नागा साधु संत पूजन तप कर रहे है।महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु आ रहे ओर पूजन करके देवी देवताओं का पूजन करके साधु संत महात्मा का आशीर्वाद ले रहे है।वही वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है महायज्ञ परिसर में देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर कथा,रासलीला, भंडारा स्वरूप प्रसाद ओर मेला का आनंद उठा रहे है।वही आज दोपहर एक बजे महायज्ञ में

पूणार्हुति वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से दिया जाएगा।आज सुबह प्रतिदिन की तरह पूजन आह्वाहन हवन ओर यज्ञ मंडप की परिक्रमा की जाएगी। वही दोपहर में पूणार्हुति देने के बाद शाम में साधु संत महात्मा को विधिवत रूप से विदा किया जाएगा और शाम में सिर्फ अंतिम दिन वृंदावन के रासलीला अंतिम दिन रासलीला दिखाएंगे।यहां के लोगों में भगवान की भक्ति कूट कूटकर भरी है।नगरपालिका का सफाई व्यवस्था यज्ञ परिसर में बेहतरीन रहा।

नागा साधु योग के जरिय निरोग रहने का दे रहे संदेश

महायज्ञ में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागा साधु संत महात्मा सुबह सुबह योग के दर्जनों आसन कर रहे है और देशवासियों को निरोग रहने के बारे में बता रहे।नागा साधु ने बताया कि सुबह सुबह योग करने,सूर्य नमस्कार करने ओर शुद्ध सात्विक भोजन करने से मनुष्य हमेशा स्वास्थ्य सुंदर निरोग तंदरुस्त रहता है।वही नागा साधु बाल गोपाल का पूजन पाठ करके भोग लगाकर आरती करके नित दिन सेवा कर रहे है।अपना तप साधना पूजन भी कर रहे है।

आठवें दिन श्रीकृष्ण व राधा रानी का मिलन रासलीला में दिखाया

रासलीला के आठवें दिन गुरुवार शाम को पाठ के बाद रासलीला का आयोजन वृंदावन से आए कलाकारों ने किया। जिसमें प्रभु श्री कृष्ण राधा रानी का मिलन दिखाया गया।रासलीला में दिखाया कि राधा रानी अपनी सखियों के साथ खेलते हुए नंद के गांव पहुंच गई।राधा रानी को देखकर यशोदा में मन में कहती है कि मेरे लल्ला के साथ इसकी जोड़ी जमेगी ओर राधा रानी का गोदी भर दिया।वही श्रीकृष्ण बृज में राधा के सखियों ओर गोपियों के घर माखन चोरी करते रासलीला में दिखाया गया।वही कथा में बताया कि जो लोग भगवान का नाम लेते है,नशा का सेवन न करते वो हमेशा खुशहाल होते है।रासलीला देखने हजारों की संख्या में श्रद्धालु महायज्ञ परिसर पहुंचकर आनंद ले रहे हैं।न्यास हरमुनियम पर हरि ओम दास जी,तबले पर सुरेश पांडे,कंस के वेश में चंद्रभान पाठक,चांदुल के वेश में मुन्ना पाठक,तोशक का कार्य श्याम सुंदर,श्रीकृष्ण के सखा बनकर हंसाने का कार्य खेनचंद्र जी,यशोदा का कार्य राहुल,नंद बाबा का वेश में हरे कृष्ण, गोपियों के वेश में योगेश ऋतिक सहित अन्य ने किया।मौके पर यज्ञ समिति के अध्यक्ष विमल यादव,केदार यादव, दर्जनों साधु संत महात्मा,यज्ञ समिति सदस्य व हजारों महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

कार्यशील पूंजी ऋण के स्केल ऑफ फाइनेंस पर भी विचार कर निर्णय

स्केल ऑफ फाइनेंस प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

संवाददाता

साहिबगंज : अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तकनीकी समिति स्केल ऑफ फाइनेंस की महत्वपूर्ण बैठक कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन एवं गव्य विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि किसानों को कृषि ऋण, केसीसी एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान करने हेतु विभिन्न फसलों एवं गतिविधियों के लिए स्केल ऑफ फाइनेंस निर्धारित किया जा रहा है। बैठक में धान, मकई, गेहूं, चना, सरसों, गन्ना, रागी, ज्वार और जूट जैसी प्रमुख फसलों के साथ-साथ आलू, टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, कद्दू वर्गीय सब्जियां, फूलगोभी, पत्तागोभी, मटर एवं प्याज जैसी उद्यानिकी फसलों की प्रति हेक्टेयर लागत पर विस्तृत विचार-विमर्श

किया गया।इसके अतिरिक्त मत्स्य पालन के अंतर्गत मिश्रित मत्स्य पालन, मत्स्य बीज उत्पादन एवं मत्स्य-सह-एकीकृत गतिविधियों बत्तख, सुकर एवं मुर्गी पालन पर चर्चा की गई। पशुपालन के अंतर्गत बकरी, सुकर, ब्रोयलर एवं लेयर पालन के लिए बीमा, चारा, दाना एवं अन्य खर्चों का निर्धारण किया गया, वहीं गव्य विकास के तहत 2, 5 एवं 10 मवेशियों के लिए परिमाप तय किया गया।बैठक में मधुमक्खी पालन, रेशम कीट पालन, लाह एवं मशरूम उत्पादन हेतु कार्यशील पूंजी ऋण के स्केल ऑफ फाइनेंस पर भी विचार कर निर्णय लिया गया। बताया गया कि मजदूरी दर में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सभी फसलों के स्केल ऑफ फाइनेंस में आंशिक वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया है।अपर समाहर्ता ने बैठक में उपस्थित सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि किसानों को केसीसी एवं कृषि ऋण उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा न उत्पन्न करें और उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध कराएं, ताकि कृषि कार्य प्रभावित न हो। जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, कृषि उत्पादन बाजार समिति के पणन सचिव, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी, आत्मा के उप परियोजना निदेशक सहित अन्य सदस्य एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा व बचाव की जानकारी देते हुए किया मॉक ड्रिल

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : अनुमंडल अस्पताल परिसर में गुरुवार को अग्निशमन सेवा सप्ताह को लेकर तीसरे दिन राजमहल प्रभारी सुमंत कुमार सिंह चौहान के नेतृत्व में अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टर,स्वास्थ्य कर्मी सहित अन्य लोगों को गैस सिलेंडर सहित ज्वलनशील पदार्थ जिससे आग लगने की संभावना है।ऐसे चीजों से सुरक्षा,बचाव की जानकारी देते हुए मॉक ड्रिल किया गया।मौके पर सभी को बताया गया कि घरेलू गैस सिलिंडर प्रयोग करते समय उसके एक्सपायरी डेट अवश्य देख लेना चाहिए।दो तरह के अग्निशमन यंत्र एक कार्बन डाईऑक्साइड युक्त और दूसरा

पाउडर युक्त एबीसी के बारे में विस्तार से बतलाते हुए उसे मॉक ड्रील कर बताया गया।साथ ही इससे जुड़े कई आवश्यक जानकारी विस्तार रूप से दिया।मौके पर मो सजलीम,प्रकाश यादव, रवि रंजन कुमार अविनाश सिंह,अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टर सादिक अंसारी, स्वास्थ्य कर्मी मो आफताब, सुनील कुमार रविंदर तुरी, भावेश महतो, राजकुमारी ढोली,कांति कुमारी, अरुण राय,मो सत्तार,आदि अन्य उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बालू लोड हाइवा अनियंत्रित होकर खाई में गिरा

संवाददाता

तालझारी : थाना क्षेत्र अंतर्गत बांझी-कैरासोल सड़क के कैरासोल मौजा अंतर्गत गुरुवार की अहले सुबह सोलह चकिया तेज रफ्तार बालू लोड हाइवा अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया।जिससे हाइवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।राहगीरों के अनुसार हादसे में चालक और खलासी घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के लिए ड्राइवर और खलासी टेंपू के सहयोग से बांझी की ओर गया। जानकारी के अनुसार हाइवा संख्या (जेएच 16 एफ 2976) बरहेट की तरह से बालू लोड कर बोरियो-बांझी होते हुए कैरासोल की ओर आ रहा था कि तेज रफ्तार होने की वजह से मोड़ घूमा नहीं पाया और अनियंत्रित हो कर हाइवा खाई में गीर गया।चालक कूद कर अपनी जान बचाया।ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गया। तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि हाइवा पलटने की सूचना मिली है छानबीन की जा रही है।

अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी : उपायुक्त

दुमका : मुख्य सचिव, झारखंड के निदेर्शानुसार उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की गुरुवार को अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने अवगत कराया कि राज्य के विभिन्न जिला कोषागारों से अवैध निकासी किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है, जिसे अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया, जो जिले के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर वित्तीय लेन-देन एवं अभिलेखों की गहन जांच करेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आहरण एवं व्यय की प्रक्रिया कोषागार के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही सुनिश्चित की जाए।

व्यस्त चौराहों पर यातायात की भीड़ से निपटने की समस्याओं से अवगत कराया

संवाददाता

साहिबगंज : जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का मासिक बैठक नगर थाना साहिबगंज मेआरक्षी उपाधीक्षक साहिबगंज के नेतृत्व में नगर थाना प्रभारी,जीरवाबाड़ी थाना प्रभारी एवं सभी कनिय पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में संपन्न हुई,चेंबर के पदाधिकारी ने बारी-बारी से साहिबगंज के यातायात, साइबर क्राइम,व्यवसाययों सेअवैध वसूली,साहिबगंज में साइबर क्राइम थाना की स्थापना,विभिन्न व्यस्त चौराहों पर यातायात की भीड़ से निपटने इत्यादि समस्याओं से अवगत कराया,पुलिस पदाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया और पुलिस को हमेशा व्यवसाईयों द्वारा मदद की अपेक्षा की गई।पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा 5-5 टाइगर मोबाइल मोटरसाइकिल नगर थाना एवं जिरवाबाड़ी थाना को प्राप्त हुआ है।जिससे शहर में गस्ती का इजाफा होगा कई अन्य व्यवसाययों के हित में पुलिस पदाधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया एवं साइबर क्राइम से बचने के कई उपाय बताए गए।बैठक में साहिबगंज जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव जयप्रकाश सिहां,मीडिया प्रभारी मौनी श्रॉफ,संजीव कुमार,राजेश कुमार एवं अन्य कार्यकारिणी के सभी लोग उपस्थित रहे!

उपायुक्त की अध्यक्षता में खनन पट्टेधारियों की हुई बैठक

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में जिले के सभी खनन पट्टेधारियों और अनुज्ञप्तिधारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य' में पारित आदेशों के अनुपालन को लेकर बुलाई गई थी।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी खदानों में पर्यावरणीय नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय और एसईआईएए (राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण) के निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले पट्टेधारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आगे बैठक के दौरान दस्तावेजों और धरातलीय स्थिति की समीक्षा करते हुए उपस्थित सभी खनन संचालकों को अनिवार्य मानकों के शत प्रतिशत अनुपालन का सख्त निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण की नियमित जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही वृक्षारोपण एवं सुरक्षा को लेकर खदान क्षेत्रों में किए गए वृक्षारोपण की जियोटैग तस्वीरों और श्रमिकों के लिए बनाए गए आश्रय स्थलों की स्थिति की समीक्षा की गई।

ग्राम गाड़ी योजना का सुचारू संचालन प्राथमिकता से करायें : उपायुक्त

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को ग्राम गाड़ी योजना के जिला में निर्बाध एवं सुचारु संचालन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी की बैठक आनलाईन श्उ के माध्यम से आहूत की गई। बैठक में ग्राम गाड़ी योजना द्वारा विभिन्न वर्ग के लोगों अर्थात वरिष्ठ नागरिक, छात्र-छात्राओं, दिव्यांगजन, झारखंड आंदोलनकारी, विधवा पेंशनधारी आदि श्रेणी, को मुफ्त यात्रा सुविधा मुहैया कराने हेतु राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत दुमका जिला अंतर्गत कल 35 मार्ग चिन्हित किए गए हैं जिसमें वर्तमान में पांच मार्गों पर वाहनों का परिचालन किया जा रहा है। उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा सर्वप्रथम सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जो भी वाहन वर्तमान में परिचालित हैं उनमें निर्धारित श्रेणी के लोगों को मुफ्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है अथवा नहीं, इसकी सघनता से जांच करेंगे। प्रखंड स्तरीय समिति की प्रतिमाह बैठक कर निर्धारित मार्गो की समीक्षा करते हुए जिन मार्गों पर वाहन चलाए जाने की आवश्यकता है वैसे मार्गों का प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश भी सभी संबंधित पदाधिकारी को उपायुक्त द्वारा दिया गया। सचिव, परिवहन विभाग झारखंड की अध्यक्षता में मार्च 2026 में आयोजित विभागीय समीक्षात्मक बैठक के आलोक में कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया गया। साथ ही उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा सभी पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया की वाहन मालिकों को योजना से संबंधित सभी जानकारी प्रदान करते हुए नए वाहनों का परिचालन निर्धारित मार्गो पर करने हेतु प्रेरित करने का भी कार्य करें । सभी संबंधित वाहन मालिकों को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं यथा निबंधन, परमिट आदि में छूट का लाभ योजना के तहत मुहैया कराए जाएंगे तथा सब्सिडी की राशि भी मुहैया कराई जाएगी ।

हर्षित अनेजा की विस्फोटक पारी से आईजीआईपीईएसएस ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली : तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट में शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस (आईजीआईपीईएसएस) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज को 100 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया। इस जीत के हीरो रहे हर्षित अनेजा, जिन्होंने मात्र 23 गेंदों में 65 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उन्हें उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। आईजीआईपीईएसएस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 260 रन बनाए। हर्षित के अलावा दीपान्शु ने भी 25 गेंदों पर 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में कार्तिक कालरा ने 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्याम लाल कॉलेज की टीम दबाव में नजर आई और 160 रनों पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अस्मित पंवार ने 36 और रवि राज ने 29 रन बनाए, जबकि संदीप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर 4 विकेट झटके। टूनार्मेंट के एक अन्य मुकाबले में डीसीएसी ने आरएलएसी को 72 रनों से हराया। डीसीएसी की ओर से सुयश प्रताप ने 42 गेंदों में 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसीएसी की टीम 20 ओवरों में 182 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में आरएलएसी की टीम 16.3 ओवरों में 110 रन पर सिमट गई। आरएलएसी के लिए तन्मय चोपड़ा ने 22 रन बनाए। डीसीएसी की ओर से मनित वर्मा ने 3/17 और अराधुआ सती ने 3/26 के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए, जबकि अंकित और अंशुल ने क्रमशः 3 और 2 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

आईपीएल 2026 : पंजाब किंग्स की दमदार जीत मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर टॉप पर पहुंची

एजेंसी

मुंबई : आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई की ओर से क्विंटन डिकॉक की नाबाद 112 रन की शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 195/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। डिकॉक ने 60 गेंदों में 112 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें कई चौके-छक्के शामिल रहे। उनके साथ नमन धीर ने 50 रन बनाकर तीसरे विकेट के लिए 122 रन की अहम साझेदारी की। शुरूआती झटकों के बाद इस साझेदारी ने मुंबई को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16.3 ओवर में 198/3 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम के ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 80 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में 66 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की। दोनों के बीच 139 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इस मुकाबले में कई रिकॉर्ड भी बने। प्रभसिमरन सिंह 25 साल की उम्र से पहले पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। वहीं श्रेयस अय्यर ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने करियर का पहला अर्धशतक जड़ते हुए 11 साल का इंतजार खत्म किया और लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई।

मुंबई की गेंदबाजी इस मैच में कमजोर साबित हुई और अल्लाह गजनफर को छोड़कर कोई भी गेंदबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका। दूसरी ओर, पंजाब की यह पांच मैचों में चौथी जीत है, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ था।

इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने साफ कर दिया है कि इस सीजन में वह खिताब की प्रबल दावेदार है, जबकि मुंबई इंडियंस को लगातार चौथी हार से अपने प्रदर्शन पर गंभीरता से विचार करना होगा।

मुझमें दिल्ली वाली ऐंठ नहीं, सिर झुका कर चलती हूं: कुशा कपिला

कुशा कपिला 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'सुखी' जैसी फिल्मों के बाद वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को लेकर ऐक्टर्स का गुस्सा जायज है, इस पर मैं ऐक्टर्स के साथ हूं।

साउथ दिल्ली वाली आंटी की मिमिक्री करके सोशल मीडिया स्टार बनी इंफ्लूएंसर कुशा कपिला अब ऐक्टिंग की दुनिया में रम चुकी हैं। 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'सुखी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं कुशा इन दिनों वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं। खास बात यह मुंबई शिफ्ट हो चुकीं कुशा इस सीरीज में दिल्ली के पटपड़गंज कोर्ट में वकालत करती दिखेंगी।

दिल्लीवाली ऐंठ छोड़कर अपना ली मुंबई

दिल्ली से मुंबई तक के इस सफर में इन दो शहरों ने कुशा के व्यक्तित्व को कैसे तराशा? दिल्ली की कौन सी चीज वह मिस करती हैं और मुंबई की क्या खूबी लुभाती है? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'दोनों शहरों की अपनी खासियत है, मगर दिल से तो मैं दिल्लीवाली हूं। मुझे नाटक देखने, थिएटर करने का शौक दिल्ली में ही चढ़ा था। मुंबई में दिल्ली का खाना मैं बहुत मिस करती हूं, क्योंकि आप कितना भी ढूंढ़ लें, वो नॉर्थ इंडियन स्वाद यहां मिलता ही नहीं है। मेरा हाल ये है कि आप मुझे दिल्ली टाइप का खाना दिखाएंगे और मैं आपकी तरफ चल पड़ूंगी। हालांकि, मैंने मुंबई के खाने को काफी अपना लिया है। भाखरी वगैरह भी मैं ट्राई करती हूं। मेरे खाने की हर चीज में करी पत्ता है तो मैं इस शहर को पूरी तरह अपना रही हूं। मेरी कोई दिल्लीवाली ऐंठ नहीं है। मैं सिर झुकाकर चलती हूं। अपने काम से काम रखती हूं और जिंदगी को बहुत सीरियसली नहीं लेती हूं। यह बड़ी खूबसूरत सीख मैंने मुंबई में सीखी है कि किसी चीज को बहुत सीरियसली नहीं लेना। दूसरे, मैं दिल्ली में पीतमपुरा से हूं तो वहां मुंबई जैसी सांस्कृतिक विविधता नहीं थी। मैं एक ही जैसे लोगों के साथ पली-बढ़ी। जिस स्कूल में गई थी, वहां सबके सरनेम एक जैसे थे। मैंने यह विविधता पहली बार कॉलेज में देखी, जब अलग अलग राज्यों के लोगों से मिली। इसलिए, मुंबई की ये बात बहुत अच्छी लगती है कि यहां सांस्कृतिक विविधता बहुत है। यह शहर अलग-अलग संस्कृतियों का खूबसूरत गमला है और ये को-एग्जिस्टेंस मुझे मुंबई में बहुत अच्छी लगती है।'

'जैसी जिंदगी जी, वैसे ही जीना चाहूंगी'

सोशल मीडिया स्टार्स की जिंदगी अक्सर एक खुली किताब होती है, जिसके चलते उन्हें जजमेंट, ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ती है। कुशा को भी डिवॉर्स से अपने बिजनेस से जुड़े पोस्ट पर ट्रोल किया गया है। इन चीजों को वह कैसे लेती हैं? इस बारे में उनका कहना है, 'असल में निजी जिंदगी को कितना निजी रखना है, यह आप काम करते-करते सीखते हैं। लोग अक्सर ये भूल जाते हैं कि क्रिएटर्स भी उनके बीच से ही आए हैं। हम किसी बैकग्राउंड से नहीं आए हैं। हमको ये लगा कि हम कैमरे पर कुछ कर सकते हैं। खुद ही एडिट करके, अलग-अलग किरदार निभा सकते हैं तो शुरुआती जोश में हम बह भी जाते हैं और उसे मैं गलती नहीं बोलूंगी। आप किसी आर्टिस्ट को भी देखें तो अपने शुरुआती सालों में वे निडर होते हैं। फिर थोड़े-थोड़े बैरिकेड्स लगाने लगाते हैं। आप इंडस्ट्री को, अपने बिजनेस को समझने लगते हैं तो नाप-तौलकर बोलने लगते हैं, पर मैं आपको सच्ची बताऊं तो मैंने अपनी जिंदगी जैसे जी है, वैसे ही जीना चाहूंगी। मैं वही गलतियां दोहराने को तैयार हूं। मैं वही जर्नी खुशी-खुशी तय करना चाहूंगी। आज मुझे पता है कि मैं क्या बोलना चाहूंगी, क्या नहीं लेकिन शुरू में नहीं पता होता है। तब एक जोश होता है, जो फीका ना ही पड़े तो अच्छा है। मैं नहीं चाहूंगी कि किसी भी कलाकार से वो आजादी छीनी जाए। बाकी, ये ट्रोलिंग-वोलिंग चलती रहेगी, उसका क्या ही कर सकते हैं।'

कुशा ने कहा- हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस चल रही है। कई ऐक्टर्स इस पर ऐतराज भी जता चुके हैं। कुशा इस पर ऐक्टर्स को सपोर्ट करते हुए कहती हैं, 'ऐक्टर्स का यह गुस्सा बिल्कुल जायज है कि किसी क्रिएटर या इन्फ्लूएंसर्स को केवल मार्केटिंग के लिए हायर किया गया है। इस पर मैं ऐक्टर्स के साथ हूं, लेकिन ये भी हो सकता है कि कुछ क्रिएटर्स ऐक्टिंग में आना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि अपने पांच सेकंड, 15 सेकंड के रील से ज्यादा कुछ बनाए। आप देखें तो हम एकदम शुरुआती क्रिएटर्स में से हैं। हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं कि आगे क्या करना है। ऐसे में, हममें से कुछ लोगों का बहुत ही नैचरल महत्वाकांक्षा ऐक्टर बनना हो सकती है तो आपको एक कदम पीछे लेकर सोचना चाहिए कि आप किस तरह के रोल, कैसे प्रॉजेक्ट करना चाहेंगे। आप एक-दो साल जाकर सीखिए। वर्कशॉप कीजिए, ऑडिशन कीजिए। फेल होइए। मुझे मुंबई आए तीन साल हो गए और मैंने बहुत शांति से सीख रही हूं। मैंने वो प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें लग जाएंगे बीस-पच्चीस साल।' (हंसती हैं)।

'है जवानी तो इश्क होना है' से सामने आई वरुण-मृणाल की झलक

वरुण धवन और मृणाल ठाकुर अपनी अपकमिंग रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की नई झलक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में हैं। पूजा हेगड़े के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने के एक दिन बाद मेकर्स ने अब वरुण और मृणाल की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों की बॉन्डिंग काफी पसंद की जा रही है। मेकर्स के अलावा दोनों एक्टर्स ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है।

इस तस्वीर में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर को गले लगाते और रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। दोनों की इस जोड़ी में जबरदस्त केमिस्ट्री दिख रही है। वरुण और मृणाल ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा , 'लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है।' दोनों की साथ वाली तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'मृणाल और वरुण को देखने का अब और इंतजार नहीं कर सकता।' जबकि दूसरे ने कहा, 'इनकी केमेस्ट्री तो कमाल की है।' वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा, 'इस नई जोड़ी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। फिल्म की कहानी जवानी, प्यार और उसकी मस्ती पर आधारित है, जिसमें हल्का-फुल्का मनोरंजन और रोमांस का पूरा मिश्रण दिखने की उम्मीद है।

फिल्म हंसी-मजाक और रोमांस से भरपूर होने वाली है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन डायरेक्टर डेविड धवन कर रहे हैं। इसमें वरुण धवन के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं।

जैकी श्रॉफ के नए

प्रोजेक्ट से कटा शिल्पा शेट्टी का पत्ता!

जैकी श्रॉफ और शिल्पा शेट्टी की साथ में वापसी को लेकर फैन्स काफी एक्साइटेड नजर आ रहे थे. दोनों ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म जंग में साथ काम किया था. पर लंबे वक्त बाद यह जोड़ी साथ में दिखने वाली थी, पर लगता है कि ऐसा नहीं होगा. हाल ही में जानकारी मिली की जैकी श्रॉफ के नए प्रोजेक्ट से शिल्पा शेट्टी का पत्ता कट गया है.

जैकी श्रॉफ और शिल्पा शेट्टी लंबे वक्त से चर्चा में हैं. वजह है, वो प्रोजेक्ट, जिसके साथ 26 साल बाद यह जोड़ी साथ में दिखने वाली थी. दोनों ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म जंग में साथ काम किया था. जैसे ही जैकी और शिल्पा के अगले प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ था, तो फैन्स खुश हो गए. हाल ही में पता लगा था कि जैकी श्रॉफ Amazon Prime Video की सीरीज में दिखने वाले हैं. यह प्रोजेक्ट स्लाइस-ऑफ-लाइफ ड्रामा है, जो शहरी रिश्तों और दूसरे मुद्दों से जुड़ा हुआ था. पहले ही इस सीरीज की स्क्रिप्ट फाइनल कर ली गई थी और मार्च में शूटिंग शुरू होने की चर्चा भी थी. लेकिन अब एक बड़ा अपडेट सामने आ गया है. जिसके मुताबिक, COKE नाम की इस सीरीज से शिल्पा शेट्टी बाहर हो गई हैं. जी हां, अब जैकी श्रॉफ की सीरीज COKE का शिल्पा शेट्टी हिस्सा नहीं होंगी. उन्होंने इस सीरीज से एग्जिट ले लिया है. दरअसल मेकर्स की पहले ही प्लानिंग थी कि एक इंटिमेट शो बनाना है. जिसमें कम चमक-दमक हो, पर डेट्स को लेकर तब भी मामला फंसा हुआ था.

क्या बॉयफ्रेंड ऋषभ से अलग हुई सान्या मल्होत्रा?

रिपोर्ट्स में दावा- सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को किया अनफॉलो

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और सितारवादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कपल ने एक दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर दिया है।

पिछले काफी वक्त से फैंस सान्या मल्होत्रा के पार्टनर के बारे में जानना चाहते थे। फिर अचानक एक दिन सान्या, मशहूर सितारवादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के साथ दिखाई दीं। इसके बाद से फैंस उम्मीद कर रहे थे कि शायद दोनों में से कोई अपने रिश्ते पर मुहर लगाएगा। मगर अब खबरें सामने आ रही हैं कि कपल अलग हो चुका है।

एक साल पहले शुरू की थी डेटिंग

रिपोर्ट्स की मानें तो सान्या और ऋषभ का रिश्ता काफी गुपचुप रहा। न दोनों ने अपने कोई खास पल फैंस के साथ साझा किए और न ही कभी एक-दूसरे के बारे में कुछ कहा। एचटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने साल 2025 की शुरूआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। मगर अब दोनों ने ब्रेकअप कर लिया।

बिना शोर-शराबे के अलग हुए

खास बात यह है कि जिस तरह दोनों चुपचाप रिलेशनशिप में रहे। ठीक वैसे ही बेहद गुप चुप तरीके से दोनों ने अलग होने का फैसला भी किया। अब दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर दिया। खबरें तो यहां तक हैं कि ऋषभ ने सान्या को छोड़कर किसी और को डेट करना तक शुरू कर दिया है। मगर अब तक उन्होंने इसपर कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा है।

एक्सीडेंट के बाद

अस्पताल से सीधे सेट पर पहुंची थीं अनु अग्रवाल

'आशिकी' फेम अभिनेत्री अनु अग्रवाल हमेशा से मानती हैं कि उनके साथ हुआ हादसा कोई जख्म नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। इसी कड़ी में अभिनेत्री अक्सर अपनी जिंदगी के ब्लैक चैप्टर से कुछ न कुछ सकारात्मक संदेश प्रशंसकों से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अनु ने अपनी एक पुरानी फिल्म के सेट से ली गई तस्वीरों को इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अपने भीषण कार हादसे के बाद की एक घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें गलत नस में इंजेक्शन लग गया, जिससे वे फिर से बेहोश हो गईं। उस एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से निकलते ही वह फिल्म के सेट पर वापस पहुंच गई थीं। अनु अग्रवाल ने लिखा, 'लेकिन, मैं मरी नहीं। मैं अस्पताल में थी। और वहां एक गलत इंजेक्शन मेरी नस में लग गया। मैं चीखी और फिर से बेहोश हो गई। अगले दिन मैं सेट पर वापस पहुंच गई। मेरा पैर घायल था और उस पर पट्टी बंधी हुई थी। ' उन्होंने बताया, 'फिल्म के कॉस्ट्यूम में पैर वाली तरफ एक स्लिट था, जिसे ड्रेस डिजाइनर ने उल्टा कर दिया और सिल दिया। इसके बाद मैं घायल पैर के साथ शूटिंग में शामिल हो सकी। उस सीन में सैकड़ों डांसर थे और महल का भव्य सेट तैयार किया गया था। कई दिनों की मेहनत का प्रोडक्शन था। अनु ने लिखा कि उन्हें पता था कि प्रोड्यूसर का पैसा, पूरे क्रू का समय और बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ था। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी वजह से किसी का नुकसान नहीं होने दे सकती थी, इसलिए मैं दर्द सहते हुए भी शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर डटी रही।

एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू : विद्या बालन

भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अपनी फिल्मों के चयन से लेकर अपने किरदारों की गहराई तक, विद्या ने हर बार यह साबित किया है कि वह एक सशक्त और बहुमुखी कलाकार हैं। विद्या बालन की खास बात यह है कि उन्होंने भाषा की सीमाओं को कभी अपने काम के बीच नहीं आने दिया। हिंदी के साथ-साथ उन्होंने विभिन्न भाषाओं और लहजों में सहजता से काम किया है। उनकी संवाद अदायगी, उच्चारण और भावनात्मक पकड़ हर भाषा में उतनी ही प्रभावशाली रहती है। चाहे वह किसी छोटे शहर की महिला का किरदार हो या एक मजबूत, आत्मनिर्भर व्यक्तित्व, विद्या हर भूमिका में पूरी सच्चाई के साथ उतरती हैं। यही कारण है कि देशभर के दर्शक उनसे खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्र कोई भी हो। विद्या का मानना है कि सिनेमा एक ऐसी कला है जो भाषा से परे है। उनके लिए हर किरदार एक नई यात्रा है, जहां वह सिर्फ संवाद नहीं बोलतीं, बल्कि उस भावना को जीती हैं। आज के दौर में जब भारतीय सिनेमा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, विद्या बालन जैसी कलाकार इस बदलाव की सबसे मजबूत कड़ी हैं, जो अपने अभिनय से हर भाषा, हर दर्शक तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं।

मप्रः मुख्यमंत्री आज ओंकारेश्वर में सांस्कृतिक महाकुंभ एकात्म पर्व का करेंगे शुभारंभ

✔ 5 दिनी महोत्सव में देश-विदेश के शीर्ष संत, मनीषी और विद्वान देंगे एकात्मता का वैश्विक संदेश

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धारक और अद्वैत वेदांत के प्रखर प्रणेता आदि गुरु शंकराचार्य की दीक्षा स्थली ओंकारेश्वर में सांस्कृतिक महाकुंभ पाँच दिवसीय 'एकात्म पर्व' का मंगलमय शुभारंभ करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि मांधाता पर्वत की कंदराओं में रचे-बसे 'एकात्म धाम' में आयोजित यह महोत्सव दार्शनिक चिंतन, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम होगा। वैशाख शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर आयोजित इस अनुष्ठान में देश-विदेश के शीर्ष संत, मनीषी और विद्वान सम्मिलित होकर एकात्मता के वैश्विक संदेश को रेखांकित करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव अद्वैत लोक एवं अक्षर ब्रह्म प्रदर्शनी का लोकार्पण करेंगे साथ ही वैदिक अनुष्ठान में भी सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती के पावन सान्निध्य तथा विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह भोपाल से हेलिकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर

प्रातः 9.30 बजे ओंकारेश्वर पहुंचेंगे। स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1.20 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, एकात्म पर्व के महत्वपूर्ण वैचारिक सत्र 'अद्वैतामृतम् - विमर्श सभा' के अंतर्गत अद्वैत दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता पर गहन संवाद होगा। विशेष रूप से प्रथम दिन 'अद्वैत एवं ॠल्ल-े' जैसे आधुनिक विषय पर युवा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जाएगा। आगामी दिनों में अद्वैत दर्शन का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), पर्यावरण संरक्षण, वैश्विक शांति और सिख संप्रदाय के 'एक ओंकार' के साथ अंतसंबंधों पर विद्वतापूर्ण चर्चा होगी। यह बौद्धिक मंथन आधुनिक समाज और नई पीढ़ी को अद्वैत की शाश्वत अवधारणा से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। सांस्कृतिक संध्या 'रसो वै सः' के अंतर्गत प्रतिदिन देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कला की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के प्रथम दिवस श्री जयतीर्थ मेवुंडी का शास्त्रीय गायन और शुभदा वराडकर की ओड़िसी प्रस्तुति 'एकम्' आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसी क्रम में आगामी दिनों में भरतनाट्यम, कर्नाटक संगीत और निर्गुण वाणी के माध्यम से अद्वैत के भावों को अभिव्यक्त किया जाएगा। महोत्सव का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष 21 अप्रैल को आयोजित होने वाला दीक्षा समारोह है, जिसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में संकल्प लेंगे। मध्य प्रदेश शासन 'ओंकारेश्वर' में 'एकात्म धाम'के माध्यम से आचार्य शंकर के दर्शन को वैश्विक फलक पर स्थापित कर रहा है। यहाँ स्थापित 108 फीट ऊँची 'एकात्मता की मूर्ति' (र३ं३४ी ङ्मा डल्लील्ली२२) और निमार्णाधीन 'अद्वैत लोक' संग्रहालय न केवल पर्यटन बल्कि आध्यात्मिक जिज्ञासा के वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। कल से प्रारंभ हो रहा यह पर्व समस्त राष्ट्र को सांस्कृतिक और वैचारिक सूत्र में पिरोने की दिशा में एक महती कदम सिद्ध होगा।

लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि सौंपी गयी

सीएम योगी के निर्देश पर पीड़ितों को राहत उपलब्ध कराने में जुटा प्रशासन

एजेंसी

लखनऊ : विकास नगर बस्ती अग्निकांड में जान गंवाने वाले दो बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गुरुवार को विधायक ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर सहायता राशि का चेक सौंपा। साथ ही पीड़ितों को सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ही इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पीड़ितों के लिए नजदीकी कम्युनिटी सेंटर में रहने और खाने की व्यवस्था की गई। वहीं घटना स्थल पर भी नगर निगम और रेरा की टीम खाने के पैकेट का वितरण

कर रही है। सीएम के निर्देश पर पीड़ितों को राहत पहुँचाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसी क्रम में मेडिकल समेत अन्य सभी सुविधाएं अग्निकांड पीड़ितों को मुहैया कराई जा रही हैं। गौरतलब है कि बुधवार शाम विकास नगर सेक्टर 12 रिंग रोड के पास झुग्गी-झोपड़ियों में आग लग गई थी। दमकल विभाग समेत पुलिस ने बड़ी जनहानि होने से रोकी। आस-पास के 30 से ज्यादा घरों को खाली करा कर लोगों की जान बचाई गई। आग लगने के बाद स्थिति पर काबू पाने के लिए फौरन दमकल विभाग, स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिसकर्मियों, नगर निगम कर्मियों, नागरिक सुरक्षा सदस्यों की 400 से ज्यादा लोगों की टीम मौके पर पहुंच गई थी। इससे काफी संख्या में लोगों की जान बच पाई।

किसानों के हित में उठाए जा रहे कदमों से खेती होगी मजबूत

योजनाओं का लाभ हर किसान तक पहुंचे : लाखन सिंह राजपूत

एजेंसी

कानपुर : किसानों के हित में सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। योजनाओं का लाभ हर किसान तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। आधुनिक तकनीक और उपकरणों के प्रयोग से खेती को और मजबूत बनाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर लागत कम और उत्पादन बेहतर किया जा सकता है। यह बातें गुरुवार को पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कही। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन ग्वारी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल कटाई यंत्र वितरण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में हेमचंद्र सिंह, विवेक चतुवेर्दी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जनपद के भाग्यनगर एवं सहार विकास खंड के 25 क्लस्टरों के लिए 100 फसल कटाई मशीनों का वितरण किया गया। इन मशीनों के लिए किसानों का चयन अनंत चतुवेर्दी, लखनऊ द्वारा किया गया। मशीनें मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इसे खेती के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से समय और लागत दोनों की बचत होती है, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान केंद्र प्रभारी डॉ रामपलट, डॉ बृज विकास सिंह, डॉ इंद्र पाल सिंह, डॉ रश्मी यादव, कैलाश उपाध्याय, अंकुर झा, विवेक, नरेंद्र, केके यादव सहित लगभग 200 किसान मौजूद रहे।

मप्र के श्योपुर जिले में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से चार महिलाओं की मौत, 26 लोग घायल

एजेंसी

श्योपुर : मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में विजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खितरपाल गांव में गुरुवार रात श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 26 लोग घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, वीरपुर के घुघस गांव से गुर्जर समाज के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पार्वती बड़ौदा में भात मांगने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे सवार थे। गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे ग्राम खितरपाल के पास ट्रैक्टर- ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में 26 लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।हादसे की जानकारी मिलते ही पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत, एसडीएम अभिषेक मिश्रा और थाना प्रभारी राजन गुर्जर भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में ट्रैक्टर की तेज रफ्तार और असंतुलन को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर, आज 20 जिलों में लू का अलर्ट, नर्मदापुरम सबसे गर्म

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में गर्मी ने अपने तेवर और तेज कर दिए हैं। आज शुक्रवार को प्रदेश के 20 जिलों में लू (हीट वेव) चलने की चेतावनी जारी की गई है। इनमें रतलाम, झाबुआ, धार, अलीराजपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। 19 और 20 अप्रैल को कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना भी है। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए अनूपपुर में स्कूलों का समय बदलकर सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर दिया गया है। वहीं डिंडौरी में नर्सरी से 8वीं तक की कक्षाएं सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक ही संचालित

होंगी। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को नर्मदापुरम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का उच्चतम स्तर है। इसके अलावा रतलाम, धार, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भी लू जैसे हालात बने रहे। तापमान की बात करें तो नर्मदापुरम के बाद रतलाम में 42.8 डिग्री दर्ज किया गया। दमोह और मंडला में 42 डिग्री, शाजापुर में 41.8 डिग्री, गुना में 41.7 डिग्री, मलाजखंड, टीकमगढ़ और छिंदवाड़ा में 41.5 डिग्री, उमरिया और श्योपुर में 41.4 डिग्री, धार और खजुराहो में 41 डिग्री, सतना में 40.9 डिग्री, खरगोन में 40.8 डिग्री, सागर में 40.7 डिग्री, दतिया और सीधी में 40.6 डिग्री, खंडवा और बैतूल में 40.5 डिग्री, सिवनी और रीवा में 40.4 डिग्री, जबकि नौगांव में 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। प्रदेश के बड़े शहरों में भी गर्मी का असर साफ दिखा। जबलपुर में 41.4 डिग्री, भोपाल और ग्वालियर में 40.5 डिग्री, उज्जैन में 40.7 डिग्री और इंदौर में 40.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से गर्मी तेजी से बढ़ती है और महीने के अंत तक तापमान नए रिकॉर्ड बना सकता है। इस बार भी तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। दिनभर पर्याप्त पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने, दोपहर की तेज धूप से बचने और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों का अधिक ध्यान रखने की अपील की गई है।

सराफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि आज के कारोबार में चांदी मामूली कमजोरी का शिकार हो गया है। शुरूआती कारोबार में सोना 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज शुरूआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। अंतरारष्ट्रीय बाजार में आज फिजिकल गोल्ड 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,809.16 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 79.61

डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है।

घरेलू सराफा बाजार में कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,55,730 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

डंपर-कार टक्कर में डॉक्टर की मौत, साथी गंभीर घायल

पाली : पाली शहर के टीपी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक डॉक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नया गांव रोड स्थित गुर्जर छात्रावास के पास रात करीब एक बजे हुआ। पुलिस के अनुसार कार के साथ चल रहे डंपर ने अचानक मोड़ ले लिया, जिससे कार चालक संभल नहीं सका और तेज टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हादसे में कार चला रहे डॉ. शैलेष विश्नोई (34) निवासी दांता (सांचौर, जालोर) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके साथ सवार डॉ. गौरव सिंह (30) निवासी धिंगाणा (पाली) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल डॉक्टर को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। दोनों डॉक्टर नया गांव रोड स्थित जन हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे थे और अस्पताल के पास ही किराए के मकान में रहते थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन पाली पहुंच गए। डॉ. शैलेष विश्नोई ने वर्ष 2020-21 में नेपाल से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की थी और पिछले चार वर्षों से पाली में कार्यरत थे। उन्होंने पहले बांगड़ हॉस्पिटल में मेडिकल ऑफिसर के रूप में सेवाएं दीं और करीब छह महीने पहले जन हॉस्पिटल जॉइन किया था।

उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एएसआई ओमप्रकाश चौधरी के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और फरार डंपर चालक की तलाश जारी है। शव को बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

जांजगीर कोतवाली में हंगामाः नशे में युवक ने लॉकअप में पिया अज्ञात द्रव्य , इलाज से किया इनकार

जांजगीर : जिले के कोतवाली थाना परिसर में गुरुवार देर रात एक अजीबोगरीब और चिंताजनक घटना सामने आई, जब एक व्यक्ति ने नशे की हालत में थाना पहुंचकर हंगामा किया और बाद में लॉकअप में घुसकर अज्ञात द्रव्य का सेवन कर लिया। पूरी घटना थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 की रात करीब 10:30 बजे गोपाल शर्मा (पिता स्व. रामेश्वर प्रसाद शर्मा), निवासी जांजगीर, शराब के नशे में थाना कोतवाली पहुंचा। कुछ देर तक थाने में बैठने के बाद वह अचानक थाना प्रभारी के नाम पर गाली-गलौज करने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस स्टाफ ने उसे समझाने और शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह विवाद करने पर उतारू हो गया। इसी दौरान गोपाल शर्मा अचानक थाना परिसर के लॉकअप में घुस गया और अपने साथ लाई प्लास्टिक की बोतल में रखे अज्ञात द्रव्य को पी लिया। घटना को देखते ही पुलिस स्टाफ तुरंत लॉकअप के अंदर पहुंचा, जहां गोपाल शर्मा फर्श पर गिर गया। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे उठाकर बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला चिकित्सालय जांजगीर ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद भी गोपाल शर्मा ने इलाज कराने से साफ इनकार कर दिया और वहां भी व्यवधान उत्पन्न करता रहा। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। उसकी पत्नी और बेटे आर्यन शर्मा से फोन पर बात कराई गई, लेकिन इसके बावजूद वह इलाज के लिए तैयार नहीं हुआ। मौके पर पुलिस अधिकारियों, चिकित्सकों और पत्रकारों की मौजूदगी में उसे समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने उपचार नहीं करवाया। बाद में उसके बेटे आर्यन शर्मा के अस्पताल पहुंचने पर उसे बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, पूरी घटना थाने के सीसीटीवी कैमरे में कैद है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है।

शिमला के नेरवा में 48 वर्षीय का फंदे से लटका मिला शव, आत्महत्या की आशंका

शिमला : शिमला जिले के नेरवा क्षेत्र के सिलोड़ी गांव में 48 वर्षीय व्यक्ति का शव उसके घर के बाहर बरामदे के नीचे फंदे से लटका हुआ मिला है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की अंतिम पुष्टि हो सकेगी। पुलिस के अनुसार 16 अप्रैल को स्थानीय निवासी कुलदीप राठौर ने थाना नेरवा को फोन के माध्यम से सूचना दी कि गांव सिलोड़ी, डाकघर केदी, तहसील नेरवा निवासी अमर सिंह (48) ने अपने घर के बरामदे के नीचे फंदा लगा लिया है। सूचना मिलने के बाद उप निरीक्षक नेतर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर पहुंचने पर अमर सिंह का शव घर के बाहर बरामदे के नीचे रस्सी से लटका हुआ पाया गया। इस दौरान मृतक की पत्नी रमला देवी, भतीजा राकेश कुमार और अन्य स्थानीय लोग मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने मौके पर मौजूद परिजनों और स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए। पुलिस की प्रारंभिक जांच और परिजनों के बयानों के अनुसार अमर सिंह शराब के आदी बताए जा रहे थे और अक्सर शराब पीने के बाद आत्महत्या की धमकी भी देते रहते थे। घटना वाले दिन उनकी पत्नी पोती को स्कूल से घर लाने गई हुई थीं और उस दौरान अमर सिंह घर पर अकेले थे। जब पत्नी घर लौटीं तो उन्होंने अमर सिंह को बरामदे के नीचे रस्सी से लटका हुआ पाया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच, मौके की स्थिति और गवाहों के बयानों के आधार पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने किसी भी व्यक्ति पर शक जाहिर नहीं किया है और न ही इलाके में किसी तरह की अफवाह की पुष्टि हुई है। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेरवा पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव आज (शुक्रवार) परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मामले में बीएनएसएस की धारा 194 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगामी जांच की दिशा तय की जाएगी।

नारायणपुर में हुसरी दल की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, 20 बिहू कलाकार घायल

लखीमपुर : असम के नारायणपुर क्षेत्र में एक हुसरी दल (बिहू नृत्य कलाकार) को ले जा रहा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें लगभग 20 युवा बिहू कलाकार घायल हो गए। आज मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा बीती रात उस समय हुआ जब वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग से नियंत्रण खोकर सड़क से नीचे जा गिरा। बताया जा रहा है कि हुसरी दल के सदस्य बिहू उत्सव के अवसर पर प्रस्तुति देने जा रहे थे। घायलों में कई युवा बिहूवा (युवक) और बिहुवती (युवतियां) कलाकार शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग स्तर की चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

जनता दरबार में कार्यपालक दंडाधिकारी ने सुनी लोगों की समस्याएं

देवघर : जिले के कार्यपालक दंडाधिकारी ओम प्रियदर्शी की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास, अंचल, जेएसएलपीएस से जुड़े मामलों को समक्ष रखा गया। साथ ही कार्यपालक दंडाधिकारी श्री प्रियदर्शी द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात कार्यपालक दंडाधिकारी श्री प्रियदर्शी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें।

अमावस्या के दिन रांची स्थित आनंदमयी जागृत काली मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

निधि पाठक : रांची : सुजाता टाकिज के निकट अवस्थित आनंदमयी जागृत काली मंदिर में आज अमावस्या के दिन विशेष पूजा अर्चना संपन्न हुई।इस अवसर पर मंदिर के पुजारी ने मां काली की पूजा अर्चना करने के पश्चात भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया। यूं तो प्रतिदिन इस मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रहती है किंतु अमावस्या के दिन विशेष रूप से भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इस मंदिर में मां के प्रति लोगों की विशेष आस्था, श्रद्धा और विश्वास है।

भीषण गर्मी में पेयजल संकट बर्दाश्त नहीं, विकास के लिए ग्राम सभा के माध्यम से दें प्रस्ताव : विधायक

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सुखराम उरांव ने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त किया है कि इस भीषण गर्मी के दौरान किसी भी गांव या टोले में पेयजल की किल्लत नहीं होने दी जाएगी। विधायक ने कहा कि प्रशासन और विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान यथाशीघ्र किया जाय। विधायक उरांव ने कहा गर्मी का मौसम चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि चक्रधरपुर की जनता को पानी के लिए भटकना न पड़े। जहाँ भी चापाकल खराब हैं या पाइपलाइन की समस्या है, उन्हें तुरंत दुरुस्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से विधायक ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में नई सड़क, पुल-पुलिया या नाली निर्माण की आवश्यकता है, वहां के ग्रामीण अपनी मांगों को व्यवस्थित तरीके से सरकार तक पहुंचाएं। विधायक ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे विकास कार्यों के लिए संबंधित गांव या मोहल्ले के ग्रामीण मिलकर ग्राम सभा का आयोजन करें।आवश्यकतानुसार कार्य का लिखित आवेदन तैयार करें।ग्राम सभा द्वारा पारित प्रस्ताव को विधायक कार्यालय में जमा करें। विधायक सुखराम उरांव ने स्पष्ट किया कि ग्राम सभा के माध्यम से आने वाले आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी ताकि विकास कार्य धरातल पर पारदर्शी तरीके से उतर सकें। उन्होंने दोहराया कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और जनता की समस्याओं का त्वरित निष्पादन ही उनकी मुख्य प्राथमिकता है।

अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जमशेदपुर : कपाली में गुरुवार शाम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और कपाली ओपी पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। गुरुवार शाम करीब 6 बजे टीम ने छापेमारी करते हुए आरोपी को मौके से दबोच लिया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर की गई थी। हालांकि, इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध से पूछताछ जारी है और उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह किन-किन राज्यों में सक्रिय था और किन लोगों से उसका संपर्क था।

नर्स का कर रहा था पीछा, थाने में शिकायत दर्ज

जमशेदपुर : कदमा में टीएमएच की नर्स के साथ मारपीट कर जबरन वाहन में बैठाने के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया कि सलाउद्दीन नामक युवक दो वर्षों से उनका पीछा कर रहा था और जबरन बातचीत करने के साथ ही पैसे की मांग करता था। विरोध करने पर उन्होंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बावजूद वह लगातार परेशान करता रहा। पीड़िता के अनुसार, 14 अप्रैल की रात करीब 10.15 बजे वह डायलिसिस मरीज की देखभाल के दौरान भाटिया बस्ती में थीं, तभी सलाउद्दीन सात-आठ अज्ञात युवकों के साथ पहुंचा और मारपीट की।आरोप है कि उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई।

पलामू के रेड कॉरिडोर में 103 करोड़ की लागत से बनेगा रोड, सांसद की पहल पर केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

संवाददाता

पलामू : जिला पलामू के नावाबाजार प्रखंड से पांडु प्रखंड के कजरु कला तक रोड के लिए केंद्र की सरकार ने 103 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं. यह रोड कभी नक्सल गतिविधि के लिए चर्चित रहा था. अब इस इलाके की तस्वीर बदलने वाली है. दरअसल पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी और रोड को लेकर अपनी बात रखी थी.

सड़क निर्माण को दी गई मंजूरी

पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम की पहल पर भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) से सड़क निर्माण को मंजूरी दे दी है.

रोड बन जाने से आवागमन सुगम होगा- विष्णुदयाल राम

23.615 किलोमीटर रोड के लिए केंद्र सरकार ने 103.608 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है. पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि रोड बनाने की मांग लंबे समय से हो रही थी, रोड जर्जर होने के कारण लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था. अब रोड बन जाने से आवागमन सुगम होगा और इलाके में विकास के नए द्वार भी खुलेंगे.

ग्रामीणों को सीधे तौर पर फायदा होगा

पलामू सांसद ने रोड की मंजूरी के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया है. ब्रह्मोरिया कजरू कलां रोड बन जाने के बाद 25 से भी अधिक गांवों को सीधे तौर पर फायदा होगा. कजरू कलां के इलाके में जाने के लिए फिलहाल 60 से 65 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है रोड बनने के बाद या घटकर 40 से 45 किलोमीटर हो जाएगा.

राजहरा कोलियरी से 16 वर्षों के बाद शुरू हुआ कोयला उत्पादन

संवाददाता

पलामू : एशिया के चर्चित राजहरा कोलियरी से 16 वर्षों के बाद उत्पादन शुरू हुआ है. इस उपलक्ष्य पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए शुक्रवार को भव्य पूजा आयोजित की. इस पूजा में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए और कोलियरी के शुरू होने पर खुशी जताई.2010 से पलामू के राजहरा कोलियरी में माइनिंग बंद था.

कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने जनवरी में आधिकारिक तौर पर कोयला उत्पादन शुरू करने का उद्घाटन किया था. अब कोलियरी से उत्पादन कार्य शुरू हो गया है. राजहरा में 4.9 मिलियन टन कोयला का भंडार है, जो जी 9 की श्रेणी का है. राजहरा का कोयला पूरे विश्व में चर्चित रहा है. 2027 तक राजहरा से कोयला का उत्पादन होना है.

दरअसल, राजहरा देश के सबसे पुराने कोयला खदानों में से एक है. 1842 में राजहरा से कोयला का उत्पादन शुरू हुआ था और 1991 तक भूमिगत खदान के आधार पर कोलियरी का संचालन हो रहा था. 1991 से ओपन कास्ट माइनिंग की शुरूआत हुई थी. डायरेक्टर जेनरल माइंस एंड सेफ्टी के गाइडलाइन के आधार पर 2010 में कोलियरी से उत्पादन कार्य को बंद कर दिया गया था. राजहरा से एक बार फिर से अब कोयला का उत्पादन शुरू हो गया है. उत्पादन शुरू होने के साथ इलाके में रौनक लौट रही है और लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का बड़ा जरिया बनेगी.

इस संबंध में मजदूर नेता राकेश सिंह ने बताया कि कोलियरी खुल जाने से इलाके के लोगों को काफी फायदा होगा. लोगों को रोजगार मिलेगा और इलाके में रौनक वापस लौटेगी. राजहरा में कोयला उत्पादन शुरू होने से इलाके के लोग बेहद ही खुश हैं. वहीं स्थानीय विकास कुमार चौहान ने बताया कि कोलियरी से एक बार फिर उत्पादन शुरू होने से बेहद खुशी हो रही है. स्थानीय मजदूरों को काम मिले और उनसे काम लिया जाए.

चिन्मया विद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना मुद्राओं का इतिहास

जमशेदपुर : शुक्रवार को चिन्मया विद्यालय साउथ पार्क के कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों ने जमशेदपुर स्थित सिक्का संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। दो शिक्षकों के मार्गदर्शन में आए इन विद्यार्थियों ने प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक के सिक्कों के विकास क्रम का गहराई से अध्ययन किया। इस अवसर पर सिक्का संग्राहक क्लब (कॉइन कलेक्टर्स क्लब) के महासचिव प्रेम पुएस कुमार ने बच्चों को विशेष व्याख्यान देते हुए मुद्राशास्त्र और इसकी समयरेखा की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वैदिक काल के शुरूआती सिक्कों से लेकर 'पंच मार्क्ड' सिक्कों के निर्माण, उनके वजन और उस समय की मापन प्रणाली पर प्रकाश डाला। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल सिक्कों को देखा, बल्कि एक कार्यशाला में भाग लेकर संग्रहालय में प्रदर्शित ऐतिहासिक साक्ष्यों पर आधारित नोट्स भी तैयार किए। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के बीच सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र लाल और काले 'गुंजा बीज' (रत्ती) और सरसों के दाने रहे, जिनका उपयोग प्राचीन काल में सिक्कों के वजन और माप के लिए मानक के रूप में किया जाता था। यह संग्रहालय झारखंड के 'कॉइन कलेक्टर्स क्लब जमशेदपुर' द्वारा संचालित और प्रबंधित है, जो नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

धनबाद में पानी लेने पर रोक, शिकायत लेकर थाना पहुंचे ग्रामीण

संवाददाता

धनबाद : पूर्वी टुंडी प्रखंड के रूपन पंचायत स्थित लाहबेड़ा गांव में वर्षों पुराना विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है. हालात ऐसे हो गए हैं कि एक गुट द्वारा दूसरे गुट को पानी लेने से रोक दिया गया है, जिससे गर्मी के बीच नीचे टोला के लोगों के सामने जल संकट खड़ा हो गया है.

15 सालों से चला आ रहा है विवाद

लाहबेड़ा गांव में पिछले करीब 15 सालों से दो गुटों के बीच विवाद चला आ रहा है. दोनों पक्ष अक्सर आमने-सामने होते रहे हैं, लेकिन इस बार मामला बुनियादी जरूरत पानी तक पहुंच गया है. गांव के नीचे टोला के लोगों का आरोप है कि ऊपर टोला के लोगों ने उन्हें तालाब, चापाकल और कुंआ से पानी लेने से रोक दिया है. भीषण गर्मी में पानी पर इस तरह की रोक ने उनके सामने बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है. जिसके बाद नीचे टोला के लोग पूर्वी टुंडी थाना पहुंचे और लिखित शिकायत देकर पानी उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है.

कार्यक्रम में नीचे टोला के लोग शामिल नहीं हुए थे

ग्रामीणों के मुताबिक, यह झगड़ा आंगनबाड़ी केंद्र को लेकर 15 साल पुराने झगड़े से शुरू हुआ है. हाल ही में गांव में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें नीचे टोला के लोग शामिल नहीं हुए. आरोप है कि इसी वजह से उन्हें पानी लेने से वंचित कर दिया गया.

पानी से वंचित करना गंभीर विषय

लोगों ने यह भी बताया कि जिन जलस्त्रोतों से पानी लेने पर रोक लगाई गई है, वे मनरेगा योजना के तहत बनाए गए हैं और गांव के लिए सरकारी चापाकल भी मौजूद हैं. इसके बावजूद एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को पानी से वंचित करना गंभीर चिंता का विषय है.

वहीं, पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि नीचे टोला के लोगों की शिकायत प्राप्त हुई है. मामले को गंभीरता से लेते हुए वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में गांव में बैठक कर विवाद सुलझाने की कोशिश की जाएगी.

केंदुआडीह में बढ़ता खतरा, प्रशासन ने कहा बेलगड़िया ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प

संवाददाता

धनबाद : केन्दुआडीह गैस रिसाव और भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने गुरुवार को प्रभावित इलाके का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सबसे पहले धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क का अवलोकन किया, जो अग्नि और भू-धंसान से बुरी तरह प्रभावित है. इसके बाद गैस रिसाव स्थल का निरीक्षण कर स्थिति की गंभीरता को समझा गया. केन्दुआडीह थाना में बीसीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई.

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि प्रभावित क्षेत्र में रह रहे परिवारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि 535 परिवारों की पहचान की गई है और सभी को बेलगड़िया में बसाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है. यहां लोगों को दो-दो फ्लैट, बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, हेल्थ सेंटर, परिवहन और कौशल विकास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं.

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भूमिगत आग के कारण गैस रिसाव रुकने वाला नहीं है, बल्कि आने वाले समय में इसका दायरा और बढ़ सकता है. आईआईटी (आईएसएम), डीजीएमएस और सिंफर जैसे संस्थानों ने भी इस पूरे इलाके को डेंजर जोन घोषित किया है. ऐसे में यहां रहना जानलेवा साबित हो सकता है.

उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और तुरंत बेलगड़िया में शिफ्ट हो जाएं. वहीं धनबाद-बोकारो सड़क के क्षतिग्रस्त होने के कारण आम लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने को कहा गया है. नई सड़क के निर्माण को लेकर एनएचएआई और आरसीडी आकलन कर रहे हैं.

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केन्दुआडीह थाना को भी स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है. सोमवार तक थाना को केंदुआ स्थित पुराने बीएसएनएल भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा.

प्रशासन ने साफ किया है कि लोगों की जान की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाया जा रहा है और प्रभावित क्षेत्र को खाली कराना ही फिलहाल एकमात्र सुरक्षित विकल्प है.

मेहनत और लगन से बनाना चाहती है अपनी पहचान

संवाददाता

झारखंड के मरधान पंचायत से एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो संघर्ष, मेहनत और सपनों की उड़ान को दर्शाती है। यह कहानी है उभरती हुई युवा कलाकार सीता कुमारी की, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है।

सीता कुमारी एक गरीब परिवार से आती हैं। उनके पिता शिवचरण लोहरा रोज मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, जबकि माता घासनी देवी घर की जिम्मेदारी संभालती हैं। तीन भाई-बहनों वाले इस परिवार के पास केवल एक छोटा सा घर है, और रोज की कमाई से ही उनका जीवन चलता है।

आर्थिक तंगी के बावजूद, सीता के माता-पिता ने उन्हें 12वीं तक पढ़ाई कराई। पढ़ाई के साथ-साथ सीता के अंदर कला के प्रति गहरी रुचि थी, जिसे आगे बढ़ाने का मौका तब मिला जब वे स्थानीय कलाकार मनीष महतो के मार्गदर्शन में पेंटिंग प्रशिक्षण से जुड़ीं।

मनीष महतो द्वारा चलाए जा रहे के तहत सीता को न केवल प्रशिक्षण मिला, बल्कि अपनी कला को मंच भी मिला। प्रशिक्षण के बाद उनकी कला में निखार आया और उन्होंने अपनी कई पेंटिंग्स बेचकर अपनी प्रतिभा साबित की।

आज सीता कुमारी अपनी कला को झारखंड से बाहर भी ले जा चुकी हैं। उन्होंने कोलकाता, धनबाद और रांची जैसे शहरों में अपनी पेंटिंग्स प्रदर्शित की हैं, जहां उनके कार्य को सराहा गया है।

सीता की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए एक उम्मीद की किरण है। वे आज अपने जैसे कई युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

मनीष महतो का कहना हैः ₹हमारा उद्देश्य है कि गांव की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिले और वे आत्मनिर्भर बनें। सीता कुमारी इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं।₹

भविष्य का सपनाः सीता का सपना है कि वे अपनी कला को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाएं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। साथ ही वे अन्य ग्रामीण कलाकारों को भी आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहती हैं।